साल 8 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक-7 फरवरी 2026 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

DPS AJMER
Sr. Sec. School
Tabiji Farm Road, Ajmer
ESTABLISHING
The Right Environment
We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.
SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman
Archery & International
Level Shooting Range
Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"
Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level
Our Activities
Skating Rink
Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.
Art & Craft
Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer
Web: www.dpsajmer.in
E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया 9680931428

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385 यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

"वीर भोग्या वसुन्धरा"

अर्थात यह संसार साहसी लोगों और पराक्रमियों के लिए है। यह जीवन का कटु यथार्थ है। व्यक्ति शरीर से सुदृढ़, मन से सशक्त, बुद्धि से प्रखर एवं परिपक्व, सामाजिक एवं राजनैतिक रूप से संगठित, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर तथा आत्मबल से सम्पन्न होना चाहिए। इन विशेषताओं से परिपूर्ण व्यक्ति का ही वर्चस्व देखा गया है। **स्वामी विवेकानन्द** ने कहा था कि "बल ही जीवन है और दुर्बलता मृत्यु।" उन्होंने बलवान बनने के लिए गीता पढ़ने के बजाए फुटबाल खेलने तक कहा था। उनका कहना था कि ऐसी चीजों को पांव से भी मत छूओं जो हमें शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक रूप से दुर्बल बनाती हो।

व्यक्ति को सबल और सशक्त बनने के लिए जीवन में इन्द्रीय संयम, समय संयम, विचार संयम तथा अर्थ संयम करना चाहिए। इसका निरन्तर अभ्यास कर व्यक्ति स्वयं को सबल, सशक्त और सुदृढ़ बनाने का प्रयास कर सकता है।

वीर सावरकर का कथन है, "जो सिर झुकता है वो कट भी सकता है, लेकिन जो सिर ऊँचा रहता है वो इतिहास रचता है।" **छत्रपति शिवाजी** तथा **महाराणा प्रताप** ने वीरता, संघर्ष एवं आत्मबल से ही आक्रान्ताओं से लोहा लिया और मिसाल बने।

निडर होकर सत्य, न्याय और सही मूल्यों के जोखिम उठाना पड़े तो भी ऐसा करना ठीक है। अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए किसी से माफी मांगना भी वीरता है। संयम और धैर्य जैसे गुणों को आत्मसात कर मुश्किल समय में सशक्त मानसिकता से चुनौतियों का सामना कर आगे बढ़ना सार्थक है। बल में सुदृढ़ होने के साथ बुद्धि के साथ इसका उपयोग करना और बुद्धि के लिए विद्या अर्जन जरूरी है, जिससे विवेक भी प्राप्त होता है, **ऐसा तुलसीदास जी ने भी कहा है।** जो बात हमें ठीक नहीं लगे उसे मानने के बजाए 'ना' कहने का साहस रखे। हो सकता है यह सुनने वाले को उस वक्त बुरा लगे पर स्पष्टवादिता और साहस से कहा गया **'ना'** आपने चरित्र का गुण माना जाएगा और हम स्वयं भी अनावश्यक परेशानी एवं पेशोपेश से बच जायेंगे।

मन की शक्ति हमें देना दाता,
मन का विश्वास कमजोर ना हो।
हम चले नेक रस्ते पे,
हमसे भूलकर भी कोई भूल ना हो।

यह वाक्य मन की शक्ति और नेक रासते पर चलने का महत्व बताते हैं। इस क्रम में यह कहा जा सकता है कि मन के जीते जीत है, मन के हारे, हार। जो मन से कभी न हारे, वह है बहादुर व्यक्ति अत: तन, मन तथा बुद्धि से बहादुर बनिये और समाज उत्थान में योगदान दीजिए।

होली तथा भारतीय नववर्ष का भी आगमन हो रहा है, आप सभी को इनकी हार्दिक शुभकामनाएं।

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
कुमावत गौरव : डॉ. सुरेन्द्र पटेल (मानधनिया)	5
इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट 2026	5
राहुल कुमावत का THDC इंडिया में चयन	6
मदन कुमावत का असिस्टेंट प्रोफेसर में चयन	6
हार्दिक बधाई	6, 15
डूंगरराम राम गेदर विधायक ने तीखी प्रतिक्रिया देकर उठाए मुद्दे	7
शाहपुरा सामूहिक विवाह सम्मेलन/ प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह	7
कुमावत (क्षत्रिय) सभा संस्था, अजमेर ने गणतंत्र दिवस मनाया	7
संगीता कुमावत ने बनाए 115 रन	7
ब्यावर में सामूहिक विवाह सम्पन्न	8
दहमीकलां का 8वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न	8
जोबनेर कुमावत समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 22 जोड़े बने हमसफर	8
कानपुर के बर्रा गांव में वर पक्ष की मांगो से आश्चर्यचकित हुआ वधु परिवार	9
प्रकाश कुमावत ने एस्थेटिका में पखावज वादन की प्रस्तुति दी	9
'रिश्ता' कुमावत परिचय सम्मेलन समिति, पुष्कर 21 जोडों विवाह 1 मई को	9
भारत-अमेरिका ट्रेड डील अब टेरिफ 18 प्रतिशत	9
ऑपन शेल्टर हॉम शिवदासपुरा में गणतंत्र दिवस मनाया गया	10
थोड़ा मुस्कुरा लीजिए-2	10
सिंघाटियों का इतिहास	11
मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव	11
आलस्य का जाल: एक मीठा जहर	12
भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम वर्ल्ड चैम्पियन	12
शादी स्टेट्स सिम्बल नहीं, इसे सादगी से करें	13
नारी और सनातन संस्कृति	14
अर्नव का राष्ट्रीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में चयन	15
चंदन कुमावत को बनाया गया राजस्थान टीम का कोच	15
भारत-ईयू ने किया फ्री ट्रेड एग्रीमेन्ट 'मदर ऑफ ऑल डील्स'	16
'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन'	16
डॉ. अंजलि कुमावत, दांता [illegible] ने परीक्षा उत्तीर्ण की	17
भाजपा ओबीसी मोर्चा संजीव वर्मा को भरतपुर जिला प्रभारी नियुक्त	17
कुचामन सिटी के लाडलों ने बढ़ाया मान !	18
पृथ्वीराज कुमावत ने इण्डिया पिंग फेस्ट में कार्विंग लाईव डेमो दिया	18
महेन्द्र कुमावत ने विद्युत बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जीता खिताब	18
म्हाने खेलण दो गणगौर — मरुधरा के मन से उठती प्रेम की पुकार..	19
यातायात नियमों से खिलवाड़ ना करें	20
लिव-इन रिलेशन समाज हो सचेत	20
चैतन्य महाप्रभु के भक्त की गीता के प्रति श्रद्धाभक्ति	21
सोशल मीडिया पर प्रतिबन्धों की शुरुआत	21
होली के रंग और जनमानस का आईना	22
क्षमावान ही बलवान	23
विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
रामलाल छापोला को चरण पादुकाएं धारण करवाई	27
रेनवाल किशनगढ़ में श्रमिक संवाद सम्मेलन	28

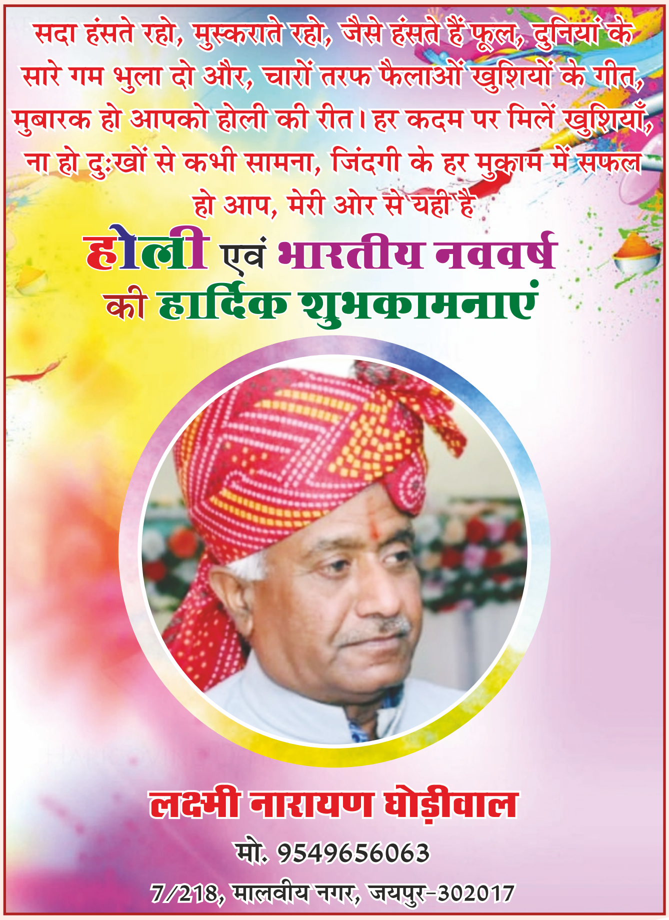

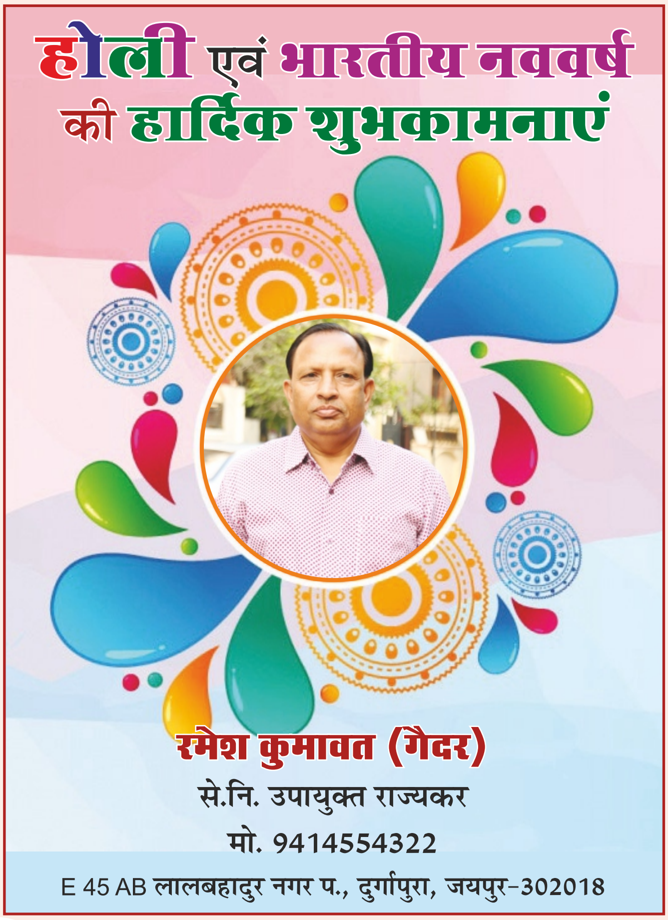

डॉ. सुरेन्द्र पटेल (मानधनिया)

एम.सी.एच. (कार्डियो-वॉस्कुलर सर्जरी)

पटेल नगर, जिला जोधपुर निवासी डॉ. सुरेन्द्र पटेल वर्तमान में एडिशनल प्रोफेसर एवं कार्डियोवॉस्कुलर सर्जन है। ये ऑल इण्डिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, जोधपुर में कार्यरत है। इससे पूर्व ये गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं कार्डियोवॉस्कुलर सर्जन एवं एटर्नल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, जयपुर में कार्डियोवॉस्कुलर सर्जन के रुप में सेवाएं दे चुके है।

डॉ . सुरेन्द्र पटेल देश-विदेश में हृदय सर्जरी के संबंध में हर वर्ष आयोजित होने वाली कॉन्फ्रेंसों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किये जाते रहे है। जहां इन्होंने स्वयं द्वारा की गई दुर्लतम सर्जरी (Rarest of rare) के रिसर्च पेपर प्रस्तुत किये है-

- मई-जून, 2023 में साउथ कोरिया के बुसान सिटी में एशियन सोसाइटी ऑफ़ कार्डियोवॉस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जरी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस।
- दिसंबर, 2024 में इंटरनेशल कोरोनरी कांग्रेस द्वारा लंदन (यू. के.)।
- दिसंबर, 2025 में इंटरनेशल कोरोनरी कांग्रेस द्वारा न्यूयॉर्क (यू. एस.ए)।

वर्ष 2025 में इनकी नवीनतम उपलब्धियां निम्न प्रकार रही है-

1. इन्होनें इण्डिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, जोधपुर में 250 से अधिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की। उल्लेखनीय है कि इनमें मृत्यु दर शून्य रही है। यह हार्ट सर्जरी में इनकी दक्षता एवं कार्य कुशलता का प्रतीक है।

2. उन्नत प्रशिक्षण एवं अनुभव-

एम जी एम हेल्थकेयर, चेन्नई में हृदय एवं फेफड़े प्रत्यारोपण पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करने का अवसर।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार **डॉ. सुरेन्द्र पटेल** की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट 2026

नई दिल्ली में आयोजित इस समिट ने भारत को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर एक नई ऊंचाई दी है। 16 से 21 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन केवल एक तकनीक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) के लिए AI के भविष्य को तय करने वाला एक ऐतिहासिक मंच रहा।

इस पांच दिवसीय सम्मेलन में 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों, 60 मंत्रियों और वैश्विक टेक दिग्गजों (जैसे सैम ऑल्टमैन और सुंदर पिचाई) ने हिस्सा लिया। जन-उत्साह को देखते हुए सरकार ने इस समिट को एक दिन के लिए और बढ़ा दिया है।

• **MANAV Vision (मानव विजन):** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 फरवरी को 'मानव विजन' का अनावरण किया। इसका

शेष पृष्ठ 27 पर...

ओमप्रकाश कुमावत, नर्सिंग आफिसर (सी.एच.सी., चण्डावल) को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पाली डॉ.विकास जी मारवाल द्वारा स्वास्थ्य भवन, पाली में आपातकालीन चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

भाणा में आयोजित ओपन जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में **मोनिका कुमावत** ने जयपुर में आयोजित आर्मी दिवस पर परेड में भाग लिया था। आज प्रतियोगिता के दौरान राजसमंद की एम एल ए दीप्ति किरण माहेश्वरी द्वारा मोनिका का स्वागत किया गया।

कुचामन राजकीय अस्पताल में कार्यरत नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर **अनिल जी कुमावत** को संभागीय स्तर पर अजमेर सम्मानित करने पर हार्दिक शुभकामनाएं बहुत-बहुत बधाई उज्जवल भविष्य की कामना जनसेवक राजकुमार फोजी

श्री मुकेश कुमार कुमावत, इंजीनियरिंग सुपरवाइजर, कार्यालय सहायक अभियंता रानोली को निगम सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने पर संभागीय मुख्य अभियंता, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, झुन्झनू द्वारा गणतंत्र दिवस सम्मानित किया गया। बहुत बहुत बधाई उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की राष्ट्रीय महामंत्री **श्रीमती सोनिया डाल** को पुन: भाजपा किशनपोल मंडल किशनपोल विधानसभा,जयपुर में मंत्री पद पर नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

सीकर जिले में बैद की ढाणी निवासी **योगेश कुमावत** ने राजस्थान रोडवेज कंडक्टर सीधी भर्ती परीक्षा में राजस्थान टॉप किया है। योगेश पिछले 7 साल से सरकारी सर्विस की तैयारी कर रहे थे।

राहुल कुमावत का THDC इंडिया में चयन

भारत सरकार के उपक्रम THDC इंडिया लिमिटेड में राहुल कुमावत पुत्र श्री मुकेश कुमार कुमावत निवासी जोबनेर का चयन इंजीनियर (कोल माइन्स) के पद पर हुआ है। यह संस्थान पॉवर मंत्रालय के अन्तर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है जो ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में कोयला, जल विद्युत एवं नवीनीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से राहुल कुमावत को हार्दिक बधाई।

मदन कुमावत का असिस्टेंट प्रोफेसर में चयन

राजस्थान लोक सेवा से आयोग द्वारा आयोजित कॉलेज शिक्षा में विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में पीपली की ढाणी, अकोदा सांभर निवासी मदन कुमावत का कॉमर्स संकाय के अकाउंटेंसी और बिजनेस स्टैटिसटिक्स (एबीएसटी) असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ है। मदन कुमावत ने 32 वीं रैंक हासिल की है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से मदन कुमावत को इस चयन पर हार्दिक बधाई।

डूंगरराम राम गेदर विधायक ने तीखी प्रतिक्रिया देकर उठाए मुद्दे

डूंगरराम गेदर 01 फ़रवरी 2026 के केंद्रीय बजट 2026 को दिशाहीन, जनविरोधी, किसान विरोधी और राजस्थान के साथ भेदभावपूर्ण है। यह बजट आमजन, किसानों, युवाओं और मध्यम वर्ग की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता। श्री गेदर ने कहा कि बढ़ती महंगाई, रुपये की गिरती स्थिति और AI व ऑटोमेशन के कारण उत्पन्न हो रही बेरोज़गारी जैसे गंभीर मुद्दों पर बजट पूरी तरह मौन है।

ERCP (पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं है। रेगिस्तानी क्षेत्रों के लिए जल जीवन मिशन में कोई विशेष ग्रांट नहीं है।

3.2.2026 को राजस्थान विधानसभा में श्री डूंगरराम गेदर ने प्रदेश के किसानों से जुड़ी गंभीर समस्याओं विशेष रूप से डीएपी एवं यूरिया खाद की अव्यवस्थित आपूर्ति तथा एमएसपी पर फसलों की खरीद में हो रही देरी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को खाद के साथ जबरन टैगिंग कर कीटनाशक व बायो प्रोडक्ट खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इसके लिए जानबूझकर खाद की आपूर्ति कम रखी जाती है, जिससे किसान मजबूरी में अतिरिक्त उत्पाद खरीदने को विवश होते हैं।

श्री गेदर ने अपने विधानसभा क्षेत्र में नरमा और मूंगफली की एमएसपी खरीद समय पर शुरू नहीं होने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा और मजबूरी में उन्हें अपनी फसल औने-पौने दामों पर बाजार में बेचनी पड़ी है।

शाहपुरा सामूहिक विवाह सम्मेलन/ प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह तथा छात्रावास में नवनिर्मित कमरों का लोकार्पण

क्षत्रिय कुमावत समाज विकास समिति, शाहपुरा द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन, प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह तथा छात्रावास में नवनिर्मित पाँच कमरों के लोकार्पण कार्यक्रम में जोराराम कुमावत केबिनेट मंत्री ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन में 33 नवयुगल का परिणय हुआ तथा 200 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों को संबोधित करते हुए समाज में शिक्षा, संगठन एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करने हेतु सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में शाहपुरा विधायक श्री लालाराम बैरवा, भारतीय जनता पार्टी भीलवाड़ा के जोराराम कुमावत केबिनेट मंत्री ने भी सिरकत की।

जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा तथा आसींद के पूर्व विधायक नानूराम कुमावत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कुमावत (क्षत्रिय) सभा संस्था, अजमेर ने गणतंत्र दिवस मनाया

26 जनवरी 2026 को श्री सत्यनारायण मंदिर शांतिपुरा, अजमेर में कुमावत (क्षत्रिय) सभा संस्था, अजमेर ने पहली बार देश का 77वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। मुख्य अतिथि

श्रीमान संतोष कुमार जी किरोड़ीवाल ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के पश्चात समारोह में पधारे सभी महानुभावों ने गणतंत्र दिवस पर अपने विचार रखे। संस्था के अध्यक्ष हनुमान सिंह आर्य तूंदवाल ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन महामंत्री श्री शंकर लाल जी घोड़ेला ने किया।

मिष्ठान वितरण के पश्चात समारोह का समापन हुआ। समारोह में सर्वश्री मोहन लाल सिरस्वा, कृष्ण कुमार बबेरीवाल, राधेश्याम नागा, मुरलीधर पारमवाल, भागचंद सिरस्वा, रमेश अनावड़िया, सुंदरलाल दंबीवाल, दीपक रतिवाल सहित अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे।

-हनुमान सिंह आर्य कुमावत

संगीता कुमावत ने बनाए 115 रन

राजस्थान महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी संगीता कुमावत ने बड़ोदरा में आयोजित BCCI राष्ट्रीय महिला वनडे चैम्पियनशिप में उत्तराखण्ड के खिलाफ खेलते हुए अपना पहला शतक लगाते हुए 115 रन बनाए। साथ ही 2 विकेट लिए। संगीता ने तीसरे विकेट के लिए 112 रन जोड़े। पिछले मैच में इसी जोड़ी ने शतकीय साझेदारी की।

ब्यावर में सामूहिक विवाह सम्पन्न

19 फरवरी। श्री कुमावत पंचायत सभा ब्यावर के तत्वावधान में श्री कुमावत सामूहिक विवाह समिति द्वारा आयोजित 24वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 8 जोड़ों का वैदिक रीति-रिवाज से विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष नौरतमल मोरवाल (इण्डिया टेलर) वालों ने बताया कि प्रात: कुमावत भवन, गिरजाघर से ताना तोरणवर की शोभा यात्रा सेन्दडा रोड से होते हुए जालिया रोड स्थित सम्मेलन स्थल पर पहुंची। समिति महामंत्री नरेन्द्र कारगवाल (ठेकेदार) ने बताया कि शोभायात्रा का मार्ग में पुष्पवर्षा कर जगह-जगह स्वागत किया गया एवं सम्मेलन स्थल पर म्यूजिक प्राणिग्रहण संस्कार सम्पन्न करवाया गया। समाज अध्यक्ष नन्दकिशोर जलांधरा ने बताया कि शोभायात्रा के सेनापति घनश्याम बबेरीवाल एवं यज्ञवेदी यज्ञमान सत्यनारायण बबेरीवाल थे।

सम्मेलन में कार्यक्रम अध्यक्ष विष्णुदत्त कुण्डलवाल समाजसेवी-उद्योगपति मुम्बई ने मुख्य अतिथि पालपुर से धरीज अनावड़िया, लक्ष्मीनारायण जलांधरा, खंभात गुजरात से रणजीत जलांधरा उपाध्यक्ष कुमावत समाज राजस्थान, कन्हैयालाल देवतवाल, महेश कुण्डलवाल, हसंराय मारवाल, डॉ. लोकेश जलांधरा, डॉ. भवानी शंकर नेमीवाल, घनश याम छाबलया प्रदेशाध्यक्ष, निरंजन देवतवाल, सायरी देवी नराणिया, तारादेवी जलांधरा, हनुमान तुन्दवाल सहित अतिथि पधारे। कार्यक्रम में नवयुवक अध्यक्ष गोपाल पारमवाल, महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती उमा मोरवाल, पंचायत कोषाध्यक्ष दिनेश नापराणिया, रोशन मारवाल, छीतरमल मारवाल, राजेन्द्र राजोरिया, राजूतिलकधारी, अनिल जायलवाल, रेखा खाटूवाल, बृजबाला जलांधरा, पिंकी खरखटा सहित अनिल सिरोडिया, राजेश मोरवाल, राजेश दम्बीवाल, रवि नराणिया सहित मंच सचांलन पंचायत महामंत्री रवि बेडवाल ने किया।

सम्मेलन में राजधानी परम्परा को जीवित रखते हुए प्लास्टिक मुक्त थीम पर स्टील के बर्तनों में थाली और कटोरी में बाजोट पर भोजन करवाया गया साथ ही सभी वर एवं वधू के अलग-अलग दहेज की व्यवस्था की गई। भोजन स्थल पर नवयुवक मण्डल एवं महिला मण्डल के पदाधिकारियों ने अपनी सेवाएं दी। सम्मेलन स्थल पर समाज की जमीन खरीदने हेतु 21 लाख रुपए की घोषणा भामाशाहों के द्वारा की गई। सम्मेलन में पंचायत उपाध्यक्ष विष्णुदत्त नराणिया, देवकरण सारडीवाल, पुष्पेन्द्र नराणिया, शांतिलाल बैड़वाल, भूपेन्द्र बेडवाल, रवि किरोड़ीवाल, दामोदर किरोड़ीवाल, अजय जलांधरा, श्रवण खाऊवाल, सुनील दम्बीवाल, हरीश कुकडवाल, दीपक नराणिया, अंकित नेमीवाल, हरीश नराणिया, जितेन्द्र नराणिया सहित समाजबन्धुओं एवं मातृशक्ति ने भरपूर सहयोग किया।

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान, दहमीकलां का 8वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान, दहमीकलां बगरू के तत्वावधान में कुमावत समाज का अष्टम सामूहिक विवाह सम्मेलन उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ 11 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस अवसर पर महंत गोवर्धनदास दादू पालका, कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि दिनेश कुमावत, बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, माटीकला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक, प्रदेश प्रवक्ता मदन प्रजापत, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, समाजसेवी रामेश्वर भीवाराम पन्नालाल कुमावत, घनश्याम छाबलिया, गौरीशंकर मारवाल, दहमीकलां प्रशासक गणेश कुमावत सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत संस्था संरक्षक रामसहाय सरोडिया, अध्यक्ष कुंभाराम मारवाल, संयोजक गणेश रावोरिया, वरिष्ठ संरक्षक भंवरलाल चौरास्या, आनंदीलाल खौरानिया, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल बेटाड़िया, कोषाध्यक्ष सुरेश बहरा, सचिव सह-संरक्षक भोलूराम बहा एवं देवीसहाय बड़ीवाल द्वारा माल्यार्पण एवं साफा बंधाकर किया गया।

जोबनेर कुमावत समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 22 जोड़े बने हमसफर

जोबनेर के फुलेरा-बोराज मार्ग स्थित कुमावत समाज धर्मशाला में गुरुवार को 22वां सामूहिक विवाह सम्मेलन हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। सम्मेलन में 22 जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ परिणय सूत्र में बंधे। दूल्हों की भव्य वर शोभायात्रा बैण्ड-बाजों के साथ मुख्य मार्गों से होती हुई समारोह स्थल पहुंची, जहां तोरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच पाणिग्रहण संस्कार कराया गया। समिति द्वारा प्रत्येक जोड़े को सोने-चांदी के आभूषण व घरेलू उपयोग का सामान भेंट किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता और सरल विवाह परंपरा को बढ़ावा देना रहा, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कानपुर के बर्रा गांव में वर पक्ष की मांगो से आश्चर्यचकित हुआ वधु परिवार

विवाह पूर्व दूल्हे की अनोखी मांगों से लड़की वाले हैरान हुए। दूल्हे की मांगों की चर्चा पूरे शहर में हो रही है। यह मांगें दहेज को लेकर नहीं बल्कि विवाह संपन्न कराने के तरीके और अनुचित परंपराओं को लेकर हैं। मांगें इस प्रकार से थी:-

1- कोई प्री वैडिंग शूट नहीं होगा।

2- दुल्हन शादी में लहंगे की बजाय साड़ी पहनेगी।

3- मैरिज लॉन में ऊलजुलूल अश्लील कानफोड़ू संगीत की बजाय, हल्का इंस्ट्रूमेंटल संगीत बजेगा।

4- वरमाला के समय स्टेज पर केवल दूल्हा दुल्हन ही रहेंगे।

5- वरमाला के समय दूल्हे या दुल्हन को उठाकर उचकाने वालों को विवाह से निष्कासित किया जायेगा।

6- पंडितजी द्वारा विवाह प्रक्रिया शुरू कर देने के बाद कोई भी उन्हें रोकेगा-टोकेगा नहीं।

7- कैमरामैन फेरों आदि के चित्र दूर से ही लेगा न कि बार-बार पंडितजी को टोक कर।

8- दूल्हा दुल्हन द्वारा कैमरामैन के कहने पर उल्टे सीधे पोज नहीं बनाये जायेंगे।

9- विवाह समारोह दिन में हो और शाम तक विदाई हरहाल में संपन्न हो, जिससे किसी भी मेहमान को रात्रि 12 से 1 बजे खाना खाने से होने वाली समस्या जैसे अनिद्रा, एसिडिटी आदि से परेशान ना होना पड़े। इसके अतिरिक्त मेहमानों को अपने घर पहुंचने में मध्य रात्रि तक का समय ना लगे और असुविधा ना हो।

10- नवविवाहित को सबके सामने आलिंगन के लिए कहने वाले को तुरंत विवाह से निष्कासित कर दिया जायेगा।

11- विवाह में किसी प्रकार का मांस-मदिरा वर्जित रहेगा।

परिणाम यह हुआ है कि लड़की वालों ने लड़के की सभी मांगे सहर्ष स्वीकार कर ली हैं। यह समाज सुधार करने के लिए एक बहुत ही सुंदर कदम है तथा सभी के लिए अनुकरणीय भी है।

शादी एक पवित्र बंधन है, मर्यादाओं में रहना, अपनी पुरानी परंपरा से विवाह संस्कार करना तथा अनावश्यक दिखावे से बचना ही संस्कारी परिवार के लक्षण होते हैं। इससे अनावश्यक तामझाम से बचा जा सकेगा तथा सादगी एवं मितव्ययता से विवाह संस्कार सम्पन्न हो पायेंगे।

प्रकाश कुमावत ने एस्थेटिका में पखावज वादन की प्रस्तुति दी

5-7 फरवरी, 2026 तक क्राईस्ट (डीम्ड टूबी यूनिवर्सिटी) बैगलूरू में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एस्थेटिका-2026 में नाथद्वारा के विख्यात पखावज वादक प्रकाश कुमावत ने प्रस्तुति देकर कुमावत समाज का गौरव बढ़ाया। इस सम्मेलन में समकालीन दक्षिण एशियाई अनुष्ठानिक कलाकार समुदायों में ज्ञान का प्रवाह विषय पर आयोजित व्याख्यान-प्रदर्शन हुआ जिसमें श्रीनाथ जी की सेवा में बजाए जाने वाले पखावज का वादन, पारम्परिक शैली, पारिवारिक विरासत तथा विशिष्ट जीवन शैली पर प्रस्तुति हुई।

इस सम्मेलन के समन्वयक डॉ. पाओलो पचियोला थे।

'रिश्ता' कुमावत परिचय सम्मेलन समिति, पुष्कर 21 जोडों विवाह 1 मई को

धर्म, संस्कृति एवं आस्था की पावन पवित्र नगरी पुष्कर में 01 मई 2026 को 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

यह आयोजन केवल विवाह नहीं, बल्कि समाज की एकता, सहयोग, सौहार्द एवं संस्कार की जीवंत मिसाल है।

समाज के समस्त बंधुओं, मातृशक्ति एवं युवाओं से तन-मन-धन से सहयोग करने की अपील की गयी है।

यह इस नवीन समिति का पहला आयोजन है तथा समिति इसे सफल बनाने को प्रतिबद्ध है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील अब टेरिफ 18 प्रतिशत

2 फरवरी 2026, भारत व अमेरिका की छह माह से ट्रेड डील पर टेरिफ की तनातनी समाप्त हो गई। अब भारतीय सामानों पर अमेरिका में 25 के बजाए 18 प्रतिशत पारस्परिक टेरिफ लगेगा जो तत्काल लागू हो गया है। साथ ही रूसी तेल आयात के कारण 25 प्रतिशत पेनल्टी भी हटा ली गई है।

इस समझौते में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की अहम भूमिका रही। इससे अब दोनों देशों में व्यापार अनिश्चितता दूर होगी तथा खासकर भारत के निर्यातकों को लाभ होगा।

कुछ समय पूर्व **यूरोपियन यूनियन** (EU) का भारत से व्यापार समझौता हुआ था, इसके दबाव के कारण में अमेरिका को ट्रेड डील पर नरम रुख अपनाना पड़ा है। यह टेरिफ पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम आदि दक्षिण पूर्वी देशों से कम है। समझोते की सूचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दिल्ली के इंडिया गेट की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी तथा लिखा ''द मूवर एण्ड द शेकर।''

बाल निवास, जयपुर के कुमावत छात्रावास में 77वां गणतंत्र दिवस उत्साह से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विजयपाल मारवाल कुमावत (अध्यक्ष ढूंढाड परिषद, जयपुर) थे। बाल निवास के प्रधान ट्रस्टी रामप्रसाद घोड़ेला एवं महामंत्री जय नारायण जूनवाल और गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे।

ऑपन शेल्टर हॉम शिवदासपुरा में गणतंत्र दिवस मनाया गया

दीपामोहन वेल्फेयर ट्रस्ट (रजि0) संस्थापक अध्यक्ष श्री मोहनलाल कुमावत, सचिव श्रीमती दीपा द्वारा संचालित ऑपन शेल्टर हॉम (चिल्ड्रन) शिवदासपुरा चाकसू में कुल 155 गरीब, जरूरतमंद, असहाय बच्चों द्वारा नि:शुल्क कोचिंग आवासीय, अध्यापन की सुविधा प्राप्त कर रहे है। 26 जनवरी 2026 को 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया । इसका शुभारंभ श्री मोहनलाल कुमावत संस्थापक अध्यक्ष एवं श्री कैलाश चंद मीणा, पूर्व सरपंच, ग्राम शिवदासपुरा द्वारा दीप प्रज्वलित कर सरस्वती पूजा एवं वंदना उपरांत ध्वजारोहण किया गया। जिसके बाद बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत व नारे लगाये एवं देश के प्रति सम्मान प्रकट तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम में श्री एस. के. बंसल, डायरेक्टर महात्मा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, शिवदासपुरा, श्री रजनीश पाराशर, केंद्र सरकार से सेवानिवृत अधिकारी, श्री के. सी. कुमावत, वित्तीय सलाहकार राजस्थान सरकार आवासन मंडल, जयपुर श्रीमती ममता शर्मा ट्रस्टी सदस्य, श्री रामेश्वर प्रसाद बैरवा, लेक्चरार, श्री राधेश्याम माली, अनुदेशक, श्रीमती लता गोयल सामाजिक कार्यकर्ता, संस्था के पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

इस कार्यक्रम में सुश्री रूनझुन शर्मा, काउंसलर एवं कोर्डिनेटर निवासी आलियावास, द्वारा कुल 155 बच्चों को शिक्षण सामग्री, श्रीमती केसर राजगढ़ (चूरू) ने स्टेशनरी बैग, श्री बंसल साहब द्वारा बच्चों को मौजे, श्री के. सी. कुमावत जी के सहयोग से ज्योमेट्री बॉक्स तथा टॉफी, तथा संस्था की ओर से मिठाई वितरण की गई ।

उक्त उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। ट्रस्ट का मुख्य मिशन एवं उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर उन्हें शिक्षा एवं संस्कारों से जोड़ना है एवं गरीब जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क राजकीय सेवा चयन हेतु कंपीटीशन परीक्षा ऑफलाईन बैच माह फरवरी 2026 से प्रारंभ करने का नि:शुल्क कार्यक्रम है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके तथा विकसित भारत बनाने में योगदान प्रदान करने का भी संकल्प लिया गया।

2 मिनट रीड

थोड़ा मुस्कुरा लीजिए-2

थोड़ा मुस्कुरा लीजिए, दर्दे दिल की दवा दीजिये। जिंदा रहने के लिए मुस्कुराना जरूरी है। एक मुस्कुराहट शरीर की सभी मांसपेशियों को सक्रिय कर देती है और शरीर में नई ऊर्जा का प्रवाह होता है जिससे हम काम करने को प्रेरित होते हैं और शरीर गतिमान होता है। इससे सभी नकारात्मक भावों को शमन हो जाता है। यह देखकर हमारे परिवारजन एवं मित्र भी प्रसन्न होते हैं। जख्म दुनियां ने दिये हो तो भी आते-जाते मुस्कुरा देने से सामने वाले पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है तथा वह मुस्कुराने वाले के लिए अच्छी धारण बनाता है। इस प्रकार धीरे-धीरे आपको दूसरों से अच्छा माहौल मिलने लगेगा। इसलिए-

थोड़ा सा मुस्कुरा लो,
जिंदगी के दो पल चुरा के।
उदासियों से उम्रभर का नाता है,
उदासियों की वजह तो आती-जाती है।
ये जान लो जिन्दगी चार दिन की है,
इसमें मुस्कुरा लेना कोई खता नहीं।

- अमिता कुमावत

कुमावत इण्डिया पत्रिका मासिक का प्रकाशन वक्तव्य

1.	प्रकाशन का स्थान	: जयपुर (राजस्थान)
2.	प्रकाशन की अवधि	: प्रतिमाह 21 तारीख
3.	मुद्रक का प्रकाशक का नाम	: **छीतर मल कुमावत**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: एफ 31ए, एस एल मार्ग, लाल बहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर 302018
4.	सम्पादक का नाम	: **रमेश चन्द कुमावत**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: ई-45एबी, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018
5.	मुद्रक का नाम	: **चेतन बालोदिया**
	राष्ट्रीयता	: भारतीय
	पता	: राज ब्लॉक्स, बी 81, करतारपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्र के स्वामी हैं	: **कुमावत प्रगति ट्रस्ट,** एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मैं **छीतर मल कुमावत** एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया विवरण सही है।

दिनांक : 21 फरवरी, 2026 **-छीतर मल कुमावत, प्रकाशक**

सिंघाटियों का इतिहास

सिंघाटिया कुलवंश का गौरवमय इतिहास सिंघाटिया खाप, मोहिलवाटी पर 380 वर्ष तक संप्रभु रुप से शासन करने वाले मोहिल (चौहान) राजवंश से, 550 वर्ष पूर्व निकली।

वर्तमान में कुचेरा में सिंघाटिया परिवारों में जो पीढ़ी चल रही है, उससे 39 पीढ़ी पूर्व संवत 1151 (1094 ई0) में चौहान वंश के राणा मोहिल ने वर्तमान चूरु जिले के छापर क़स्बे के आसपास ''मुंहता नैणसी की ख्यात'' के अनुसार 1440 गाँवों को सम्मिलित करते हुए नए संप्रभु राज की स्थापना की, जिसे मोहिल वाटी कहते हैं। यह राजवंश, इतिहास में चौहानों का ''मोहिल राजवंश'' कहलाता है। मोहिल का शाब्दिक अर्थ मन को मोहित करने वाला । राणा मोहिल द्वारा स्थापित शासन आगे उनकी 16 पीढ़ी तक एक छत्र क़ायम रहा ।

मोहिलवाटी के राणा शासकों की हैसियत बहुत बढ़ी हुई थी। वे स्वतन्त्र शासक थे और 380 वर्ष तक जब तक उनका शासन रहा कभी भी किसी बादशाह के मनसबदार नहीं रहे थे । मोहिल राणाओं के स्वतंत्रता प्रेम ने उन्हें किसी मुस्लिम सत्ता की ताबेदारी की इजाज़त नहीं दी ।

वे जब तक जिये, शान से स्वतंत्रता पूर्वक प्रतिष्ठा का जीवन जीते हुए शासन करते रहे । 380 वर्ष तक मोहिल वाटी पर राज किया और अंतिम पीढ़ी के शासकों ने वीरतापूर्वक लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान देकर अमर हो गये परंतु दूसरों की अधीनता स्वीकार नहीं कीं । अंतिम समय की लड़ाई जो कि प्रथम बार संवत् 1531 (1474 ई0) में तथा दूसरी एक वर्ष बाद हुई, उसमें राणा मोहिल के सोहलवीं पीढी के उत्तराधिकारी राणा बैरसाल (बैरी साल शब्द का अपभ्रंश रूप) एवं उसका एक भाई

जिसका नाम नरबद था जोधपुर के संस्थापक राव जोधा के साथ युद्ध करते हुए मारे गये तथा अन्य भाईयों एवम् सामंत सरदारों ने दूसरों की अधीनता स्वीकार न करते हुए अपने राज्य तहुए सीमा से पलायन करे क्षत्रियपन को छोड़ कर दूसरे काम को अपनी जीविकोपार्जन का साधन अपनाकर दूसरे समाजों में सम्मिलित हो गये । मौहिल वंश के अंतिम राणा बैरसाल के एक और भाई पदा राव ने मोहिल राज्य की सीमा से 500 किमी दूर जाकर अपने परदादा राणा माणक राव के नाम से वर्तमान जालंधर जिला में नया गाँव माणपुर बसाया एवम् राजवंश के क्षत्रियपन के कार्य को तिलांजलि देकर कुम्हार / कुमावत समाज में सम्मिलित हो गये। पदा रावु के पुत्र सण पाल ने माणकपुर छोड़कर संगोठ नया खेड़ा बसाया तथा उनकी संतानें संगोठ गाँव के होने कारण सिंघाटिया / सिंगाठिया कहलाए ।

इस शोध कार्य में 25 वर्ष का समय लगा। इस कार्य में कुचेरा, नागौर के सिंघाटिया भाइयों का सहयोग रहा जिनके प्रयास से सन्दर्भ खोज कर उनसे साक्ष्य लिए जा सके। एतिहासिक साक्ष्य निम्न प्रकार है-

सिंघाटिया कुलवंश के इस गौरवशाली इतिहास को लिखने में निम्न संदर्भ ग्रंथों की सहायता ली गई है -

1. मुंहता नैणसी की ख्यात - सं. आ. श्री बदरी प्रसाद साकरियाँ
2. क्यामखाँ रासा - सं. डॉ. दशरथ शर्मा व अन्य
3. बीकानेर राज्य का इतिहास - डॉ. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
4. जोधपुर राज्य का इतिहास - डॉ. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा
5. राजस्थान के अभिलेख - शेखावाटी प्रदेश, रतनलाल मिश्र
6. राजस्थान के अभिलेख - गोविन्द लाल श्री माली
7. राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गजेटियर, बीकानेर - राजस्थान सरकार
8. राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गजेटियर, चूरु - राजस्थान सरकार
9. एनल्स एण्ड एंटीक्विटीज ऑफ़ राजस्थान - जेम्स टॉड
10. पृथ्वीराज रासो - चन्दरबरदायी
11. गोगा जी चौहान की राजस्थानी गाथा - सं. चन्द्र दान चारण
12. मोहिलों की वंशावली - भाटों का वृत्त
13. सिंघाटियों की वंशावली - विष्णु दयाल राव एवम् हंसराज भाट
14. अन्य सम्बन्धित दस्तावेज, जिनमें मुख्य रूप से कुचेरा स्थित सिंघाटिया परिवारों से प्राप्त 362 वर्ष पुराने चौपन्निये जिनमें 362 वर्ष पूर्व से लेकर आज तक की घटनाओं का उल्लेख है।

अनुसंधानकर्ता - **सुख राम सिंघाटिया**
से.नि. अतिरिक्त आयुक्त, वाणिज्यिक कर, राजस्थान

मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

अजमेर के शांतिपुरा स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर में 7 फरवरी 2026 को कुमावत (क्षत्रिय) सभा संस्था के तत्वावधान में मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया।

नि:शुल्क प्रतिमाएं भेंट करने वाले आदरणीय समाज बंधु थे-

1) शिव परिवार प्रतिमाएं - ओमप्रकाश जी सिरस्वा, मदनगंज किशनगढ़, 2) राम दरबार प्रतिमाएं - मोहनलाल नीमिवाल, अजमेर, 3) राधा कृष्ण प्रतिमाएं - हनुमान सिंह आर्य तूंदवाल, अजमेर, 4) श्याम बाबा प्रतिमा - राजकुमार सिरसीवाल, अजमेर

प्रात: महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। नव प्रतिमाओं को ढोल-बाजे के साथ नगर भ्रमण कराया गया। प्रतिमाओं का विधि विधान के साथ पूजन कराया गया। हवन में क्रमश: समाज के 6 जोड़े सपत्नीक बैठे-दिनेश अनावड़िया, हनुमान सिंह आर्य तूंदवाल, दीपक रतिवाल, विनोद खोराणिया, मनीष कुदाल तथा सुरेंद्र कुदाल।

मंत्रोच्चार के साथ विधिवत मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा की गई। महाआरती के पश्चात् प्रसाद वितरण तथा भोजन प्रसादी के साथ महोत्सव का समापन हुआ। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक छोटू लाल मोरवाल, उपाध्यक्ष: मोहनलाल सिरस्वा, कृष्ण कुमार बबेरीवाल, संतोष बासनीवाल, महामंत्री: शंकर लाल घोड़ेला, उगमाराम जी नेहरा, उपमहामंत्री भागचंद सिरस्वा, सांस्कृतिक मंत्री प्रकाश नागोरा, व्यवस्थापक: संतोष किरोड़ीवाल, दीपक रतिवाल, रमेश अनावडय़िा, सोहन नीमिवाल, तुषार कुदाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

-हनुमान सिंह आर्य, अध्यक्ष

आलस्य का जाल: एक मीठा जहर

आलस्य कोई शारीरिक बीमारी नहीं, बल्कि एक मानसिक अवस्था है। इसे अक्सर ''कल पर टालने की आदत'' के रूप में देखा जाता है। शुरुआत में यह बहुत सुखद लगता है—थोड़ी देर और सोना, काम को कल के लिए छोड़ देना या बिना किसी उद्देश्य के स्क्रीन स्क्रॉल करना। लेकिन धीरे-धीरे यह एक जाल बन जाता है जो व्यक्ति की प्रगति को जकड़ लेता है।

नीतिशतकम् का सबसे लोकप्रिय श्लोक है:

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति॥

हिंदी अर्थ : आलस्य ही मनुष्यों के शरीर में स्थित उनका सबसे बड़ा शत्रु है। परिश्रम के समान मनुष्य का कोई दूसरा मित्र नहीं है, क्योंकि परिश्रम करने वाला व्यक्ति कभी दुखी नहीं होता।

आलस्य बाहर नहीं, हमारे शरीर के भीतर ही छिपा बैठा है। मेहनत ही हमारा सबसे सच्चा साथी है। आलस्य से गरीबी और अज्ञानता आती है, जबकि मेहनत से सुख और समृद्धि। आलस्य एक ऐसी दीवार है जो हमें हमारे सपनों तक पहुँचने से रोकती है। हम अक्सर काम को कल पर टाल देते हैं, और वो 'कल' कभी नहीं आता। अगर आप भी इस चक्रव्यूह में फंसे हैं, तो यहाँ कुछ व्यावहारिक तरीके दिए गए हैं जिनसे आप आलस्य को जड़ से खत्म कर सकते हैं।

आलस्य कोई शारीरिक बीमारी नहीं, बल्कि एक मानसिक अवस्था है। इसे बदलने के लिए आपको अपनी आदतों में छोटे बदलाव करने होंगे।

1. '5-सेकंड रूल' का पालन करें

जैसे ही आपके मन में किसी काम को करने का विचार आए, 5-4-3-2-1 गिनें और तुरंत उस काम को शुरू कर दें। यह तकनीक आपके दिमाग को बहाने बनाने का समय नहीं देती।

2. 2-मिनट नियम

अगर किसी काम को करने में 2 मिनट से कम का समय लगता है (जैसे: बिस्तर ठीक करना, ईमेल का जवाब देना, या जूते जगह पर रखना), तो उसे अभी करें। छोटे कामों को निपटाने से आत्मविश्वास बढ़ता है।

3. बड़े लक्ष्यों को छोटे टुकड़ों में बांटें

अक्सर हम किसी बड़े काम को देखकर घबरा जाते हैं और आलस्य करने लगते हैं।

गलत तरीका: ''आज मुझे पूरी किताब पढ़नी है।''

सही तरीका: ''आज मुझे सिर्फ 2 पेज पढ़ने हैं।''

जब लक्ष्य छोटा होता है, तो दिमाग उसे पूरा करने के लिए तैयार हो जाता है।

4. अपनी सुबह की शुरुआत सही करें

सुबह उठते ही फोन चलाने से बचें। सोशल मीडिया आपके दिमाग को 'डोपामाइन' की सस्ती खुराक देता है, जिससे आप बाकी दिन सुस्त महसूस करते हैं। इसकी जगह थोड़ा व्यायाम या मेडिटेशन करें।

5. 'क्यों' (Why) को पहचानें

आप वह काम क्यों करना चाहते हैं? जब तक आपके पास एक ठोस कारण नहीं होगा, तब तक आलस्य आप पर हावी रहेगा। अपने लक्ष्य से होने वाले फायदों के बारे में सोचें।

आलस्य को एक दिन में खत्म नहीं किया जा सकता। यह हर दिन खुद से जीती जाने वाली एक छोटी जंग है। अनुशासन शुरू में कड़वा लग सकता है, लेकिन इसका फल बहुत मीठा होता है । आलस्य एक धीमा जहर है जो व्यक्ति की प्रतिभा को निगल जाता है। यदि हमें जीवन में ऊंचाइयों को छूना है, तो हमें 'आज' और 'अभी' की शक्ति को पहचानना होगा। ''कल'' कभी नहीं आता, जो है वह केवल ''आज'' है। याद रखें, परिश्रम ही सौभाग्य की जननी है।

- मुकेश कुमावत, बोराज, जयपुर

भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम वर्ल्ड चैम्पियन

वैभव सूर्यवंशी ने 175 रन बनाये
890 गेंद में 15 छक्के एवं 15 चौके

भारत की अंडर-19 युवा क्रिकेट टीम ने 6 फरवरी को हमारे (जिम्बाबवे) में 6ठीं बार ICC World Cup जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने 411 रन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, जिसमें वैभव सूर्यवंशी के 175 रन 15 छक्कों और 15 चौकों की सहायता से सबसे बड़ी पारी खेली। जबकि इंग्लैण्ड की टीम 311 रन पर सिमट गई। वैभव सूर्यवंशी ने 55 गेंदों में शतक बनाया तथा सबसे तेज 150 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 90 गेदों में 142 रन जोडे। मैच में कप्तान आयूष ने 53 रन बनाये। इस विश्व कप में वैभव सूर्यवंशी ने कुल 30 छक्के मारकर रेकार्ड बनाया।

यह बदलते भारत की तस्वीर है। अब प्रशिक्षण एवं चयन के मानक ऊँचे रखे जा रहे हैं तो परिणाम भी सार्थक आ रहे हैं।

होली के रंग

फाल्गुन आया, बही मादक समीर,
और ढोल-चंग का मधुर संगीत।
तरू शिखरों पर कोकिल गाती मधुर गान,
तो आसमान में सूरज प्रकाश।
नव युवतियों की पायल की झंकार,
झुके नेत्रों के साथ नृत्य की बहार।
कपोलो पर रंग-अबीर का सुहाना अहसास,
हृदय सरिता में उमड़ता प्रेम विलास।
हंसते-मुस्कुराती सखियां और तरुण मन,
मन पुल्कित होता जब गाये फाल्गुन की मल्हार।

शादी स्टेट्स सिम्बल नहीं, इसे सादगी से करें

शादी दो आत्माओं का पवित्र मिलन है, साथ ही इससे दो परिवार तथा रिश्तेदार आपस में जुड़ते हैं। पहले शादी समारोह परिवार तथा खास रिश्तेदारों की उपस्थिति में सादगी से सम्पन्न होते हैं। लेकिन जैसे-जैसे सम्पन्नता आती गयी शादी पर खर्च बढ़ता गया और खर्च की होड़ बढ़ती गयी। शादी में मेहमानों की लम्बी फेरिस्त, सगाई, प्री-वेडिंग, हल्दी, मेहन्दी अनगिनत पकवान, सजावट, असीमित लेनदेन आदि आम बात हो गयी है। अब यह शादी तो कम और स्टेट्स सिम्बल ज्यादा हो गयी है।

इससे समाज का आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति आर्थिक और मानसिक दबाव का शिकार है। **वह समझ नहीं पा रहा कि वर्तमान में प्रचलित तरीके से अपने बच्चों की शादी कर जीवनभर कर्ज का बोझ ढोये या अपनी आर्थिक क्षमता से शादी कर सामाजिक आलोचना व अपमान का घुंट पीये।** उसकी स्थिति तो सांप छछून्दर जैसी हो जाती है तथा उसके लिए एक तरफ कुआँ और दूसरी ओर खाई है।

इस स्थिति को विभिन्न सामाजिक संगठनों ने समझा है तथा सकारात्मक सोच के साथ मंथन जारी है। यह समय की मांग है। पिछले कुछ महीनों में समाचार पत्रों में ऐसी खबरें आयी हैं जिन्हें यहां समाज हित में उद्धरित करना उचित समझा गया है-

15.10.2025 के दैनिक भास्कर, जोधपुर की खबर

दाधीच ब्राह्मण समाज बेटे-बेटियों की शादी में फिजूलखर्ची रोकने के लिए सोने का लेनदेन नहीं करेंगे। यह निर्णय शादियों में सोने-चांदी के बढ़ते प्रचलन तथा हाल ही में इनकी बढ़ती कीमतों को देखते हुए भी लिया गया है। इसके कारण अनेक लोग अपना आत्मसम्मान बचाने के लिए कर्ज लेकर जेवर देते हैं। कर्ज पर सोने-चांदी के आभूषण लेना जीवनभर ब्याज की गुलामी में पड़ना है। जिसे वे किसी से कह भी नहीं पाते। दाधीच ब्राह्मण समाज का कहना है कि ऐसी पीड़ा को झेलने से अच्छा है इस पर पाबंदी लगा दी जाए। ये सादगी से विवाह और सामाजिक सुधार के लिए भी प्रयासरत है।

राजस्थान मेवाड़ जाट समाज की खबर

राजस्थान मेवाड़ जाट महासभा ने गुलाबपुरा में सामुहिक विवाह अपनाने पर जोर दिया तथा सामाजिक कार्यक्रमों में कपड़ों का लेनदेन नहीं करने तथा सगाई में सवा तोला सोना एवं पावभार चांदी ही पहनने का निर्णय लिया। समाज में व्याप्त कुरीतियां यथा नशा, मृत्युभोज तथा शादियों में अंधाधुंध खर्च पर अंकुश लगाने की अपील की। समाज के विवाद समाज की जाजम पर निपटाने को कहा गया।

दैनिक भास्कर दि. 31.10.2025 की खबर

उत्तराखण्ड में शादी में 3 से अधिक गहने पहने तो 50 हजार रुपये जुर्माना लगाने का निर्णय जौनसर-बाबर क्षेत्र के 2 गांवों कंदार और इन्द्रौली में लिया गया। इनमें मंगलसूत्र, कान की बाली एवं नाक की बाली शामिल है। यह दिखावे की होड रोकने व सोने की बढ़ती कीमतों के कारण लिया गया है। यह कदम समाज में बराबरी और सादगी की भावना बढ़ाने के क्रम में है।

30 नवम्बर 2025 उज्जैन

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु की शादी डॉ. इशिता से सामुहिक विवाह में की जिसमें 20 जोड़े परिणयसूत्र में बंधे। यह विवाह सामाजिक समरसता और सादगी से हुआ जिसमें कुछ करीबी रिश्तेदार, वरिष्ठ अधिकारी तथा भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी ही शामिल हुए। प्रदेश मुखिया की यह पहल शादी को सादगी से करने का संदेश है। यह गरीब और कमजोर लोगों के साथ अन्यों को भी सामुहिक विवाह में शादी करने की प्रेरणा देगा।

दैनिक नवज्योति 30.11.2025 की खबर

राजसमंद जिले के चारभुजा में 44 खेड़ा गुर्जर गौड समाज ने निर्णय लिया कि शादि समारोह में बुफे के जगह जमीन पर बैठकर भोजन होगा, दूल्हा क्लीन शेव होगा, प्री-वेडिंग नहीं होगी तथा कपड़े देने के प्रथा के बजाए लिफाफा देने की शुरुआत करें।

2 जनवरी 2026 की खबर

गुजरात के पाटण में ठाकोर समाज ने **'एक समाज-एक रिवाज'** तथा **'एक रिवाज श्रेष्ठ समाज'** का संदेश देते हुए समाज सुधार के निर्णय लिए जिनमें माघ या वैशाख माह में विवाह करने, साधारण या डिजिटल निमंत्रण पत्र, प्रीतिभोज में 1 मिठाई परोसना, बारात में 11 वाहन व 100 व्यक्तियों की सीमा, डीजे बजाने एवं लेनदेन पर प्रतिबंध सम्मिलित है। साथ ही सगाई में 1 नारियल, 1 रुपया, 1 जोड़ी कपड़ा देना तथा 21 लोगों की उपस्थिति होगी।

6 जनवरी, राजस्थान पत्रिका की खबर

सर्वब्राह्मण समाज महासभा की कार्यकारिणी की जयपुर में बैठक हुई जिसमें विवाह, सगाई, रिसेप्शन एवं अन्य मांगलिक अवसरों पर दो तरह की सब्जी, दाल या कढ़ी, रोटी, पराठा या पुडी, चावल व दो तरह की मिठाई, सलाद, रायता, छाछ, जल तथा

चाट, आइसक्रीम, फास्टफूड काउंटर सीमित या नगन्य रखने का निर्णय लिया गया। दिखावे व फिजूल खर्ची पर नियंत्रण के क्रम में दहेज प्रथा का विरोध करना तथा इसे सामाजिक अपराध माना जाएगा। दहेजमुक्त विवाह का सामाजिक सम्मान किया जाएगा। अत्यधिक सजावट, भव्य मंच एवं अनावश्यक लाइटिंग से बचें तथा अशोभनीय अमर्यादित कार्यक्रम पर रोक, बुजुर्गों, मातृशक्ति एवं पुरोहित वर्ग का सम्मान हो।

23.1.2026 दैनिक भास्कर पॉजिटिव न्यूज-10 लाख दान

लातूर (महाराष्ट्र) के परगणी निवासी इंजीनियर शेखर माधव और त्रतुजा शिंदे ने दत्त मंदिर में सादगी से विवाह किया जिसमें मात्र 25 रिश्तेदार थे। इसमें पटाखे, डीजे, प्री-वेडिंग जैसे तामझाम नहीं थे। इससे शादी में खर्च हो वाले 10 लाख रुपये दुल्हे शेखर ने आबेगांव (बीड) की जिला परिषद प्राथमिक स्कूल को दान किये, इससे आधुनिक कम्प्यूटर कक्ष बनेगा और छात्रों को डिजिटल शिक्षा मिल सकेगी।

अब कई व्यक्ति तथा अनेक समाज विवाह का महिमामण्डन करने के पक्षधर नहीं हैं। वे समझ चुके हैं कि विवाह सादगी से हो तो फिजूलखर्ची नहीं होगी तथा सादगी के कारण जितनी बचत होगी उसे व्यापार, व्यवसाय तथा अच्छे कार्यों में लगाया जा सकेगा। सबसे बड़ी बात तो कर्ज का बोझ नहीं होगा तो जीवन में मानसिक शांति रहेगी। चाहे तो विवाह के बाद बचे धन को सामाजिक उत्थान के कार्यों में लगाकर अन्यों का जीवन संवारा जा सकता है।

कुमावत समाज से भी आग्रह है कि समय आ गया है अब सामाजिक कुरीतियों को हटाने पर विचार हो, शादी-सगाई सादगी से करने पर मंथन हों, दहेज रहित विवाह करने वालों को समाज सम्मानित करके प्रोत्साहित करें। **-सम्पादकीय टीम**

नारी और सनातन संस्कृति

नारी के रूप में ईश्वर ने सृष्टि को सर्वोत्तम उपहार दिया है अनूठे श्रृंगार एवं कितने ही भावों की साक्षात प्रतीक है **नारी**। मगर आज के आधुनिक फैशनपरस्त युग में नारी ने विलासी और भोग्या के रूप में स्वयं ही अपनी छवि को प्रस्तुत करने को प्रगतिशील माना है। यही कारण है कि आज की नारी अपनी सनातन संस्कृति को त्याग करके पाश्चात्य संस्कृति की और अग्रसर हो गई है। लगभग 50-60 वर्षों पहले प्रचलित रीति-रिवाज नारी की अस्मिता के प्रतीक थे। जिनको आज आडम्बर मानकर उस संस्कृति का उपहास करने लग गये है। भारतीय परिधान के पहनावे में जहाँ नारी का सौन्दर्य मोहक ओर सुरक्षित था तथा देखने वालों की आँखों में उसकी एक सुन्दर छवि दिखाई देती थी।

नारी और परिवर्तन का दौर: आज समय बदला मान्यताएँ बदली नारी पुरुष के साथ कदम दर कदम मिलाकर चलने लगी। महिलायें शिक्षित होकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। उनका निरंतर आगे बढ़ना पुरुष समाज के लिए एक चुनौती हो रहा है। उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि **'अति सर्वत्र वर्जियतें'** है। उन्हें सदैव **मान- मर्यादा** में रखकर परिवार का ध्यान देना चाहिए न की केवल धनोपार्जन को। बदलते दौर में आज व्यावसायिक तथा सरकारी कार्यालयों में महिलायें उच्च पदों पर पदासीन हो रही हैं। वे परिवार को आर्थिक संबल दे रही हैं। किन्तु उन्हें अपने पारिवारिक दायित्व तथा अपनी मर्यादा को नहीं भूलना चाहिए। दोनों के बीच स्वस्थ संतुलन बनाकर वे अपनी प्रतिभा योग्यता एवं कार्यकुशलता को और निखार सकती हैं। ऐसा करके वे सराहना की पात्र होती है।

इतिहास साक्षी है कि मेनका के सौन्दर्य से ऋषि मुनि एवं देवगण भी आकर्षित हो गये थे। तो फिर यह तो कलयुग है। इसलिए नारी को अपना परिधान भारतीय संस्कृति के अनुरूप शालीनता का ही रखना उचित है। विदेशों के पहनावे व सभ्यता अपनाने के कारण ही आजकल महिलायें अत्यधिक फैशनेबल हो रही है। यह अति हमारे समाज के लिए उपयुक्त नहीं है।

नारी और संस्कार: नारी ही नारी की पोषक और शोषक होती है। घर और परिवार की धुरि नारी के विचार और उसके क्रिया कलाप होते हैं। नारी विवाह के बाद बहुरूप को धारण करके वधु, पत्नी और माँ बनती है. जो संस्कार वह पिता के घर से लेकर आती है वही ससुराल में निभाती है। अत: नारी को चाहिये कि वह बाल्यकाल से ही बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी बीजारोपण अपनी संतानों में करें।

यदि नारी बहु के रूप में अपने सास-श्वसुर की सेवा करेगी, उनके आदेशों का पालन करेगी तो उनके बच्चे भी उसका अनुकरण करेंगे क्योंकि जो दिया जाता है वहीं लौटकर ब्याज सहित आता है। अगर पति पत्नी उनकी अवहेलना करेंगे तो उनके बच्चे भी माता-पिता की ही उपेक्षा करेंगे। परिवार ही बच्बों के संस्कारों की महकती हुई बगियां होती है जिसे आप चाहे जैसे सुवास दे सकती है।

नारी माँ, बहन, बेटी का सुंदर रूप होती है। एक संस्कारी नारी एक ही नहीं दो घर की प्रतिष्ठा होती है। परिवार से नारी चाहे तो स्वर्ग की स्थापना कर घर को मंदिर बना सकती है। एक संस्कारवान नारी परिवार में संतुलन को बनाये रखती है, पति-पत्नी के बीच संतुलन, पिता, पुत्र के बीच संतुलन, सास बहू के बीच में संतुलन बनाकर वह अपने परिवार को सुखी एवं समृद्ध बना सकती है। एक कुशल नारी परिवर्तन की धारा में खुद को तिरोहित करने के साथ-साथ घर में सदैव संस्कार सौरभ को बनाये रखती है। भारतीय संस्कृति, सभ्यता व परम्परा को अपनाने में ही महिलाओं की प्रतिष्ठा है। काम के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है तो इन गुणों को अपनाकर अपना घर संसार समृद्ध बना सकती है।

अर्नव का राष्ट्रीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में चयन

चौमू, शहर के जयपुर रोड पर राधास्वामी बाग स्थित एएन पब्लिक स्कूल के छात्र अर्नव कुमावत पुत्र डॉ. केएल कुमावत ने अजमेर में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय खेलकूद चार दिवसीय राइफल शूटिंग 14 वर्ष छात्र-छात्रा प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर पिस्टल में तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। अर्नव जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था और अब राज्य स्तर पर भी अपनी पहचान कायम करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगा। बहुत-बहुत बधाई।

गणतंत्र दिवस समारोह में सीकर जिले में लगातार 13 वर्षो से 500 यूनिट से अधिक का रक्तदान शिविर का आयोजन कर जनसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने पर दांतारामगढ तहसील के जीणमाता निवासी **अनिल कुमावत मारोठिया** को जिलास्तर पर सम्मानित किया गया।

चंदन कुमावत को बनाया गया राजस्थान टीम का कोच

जयपुर। जयपुर राजस्थान में आयोजित हो रही दूसरी फेडरेशन कप और सितंबर 2026 में जापान में आयोजित हो रहे एशियन गेम्स के लिए इंडिया टीम के सिलेक्शन ट्रायल जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में आयोजित हो रहे हैं। चंदन कुमावत को राजस्थान टीम का कोच नियुक्त किया गया है। चंदन कुमावत जोधपुर जिला ताइक्कांडो के जनरल सेक्रेटरी होने के साथ-साथ नेशनल ताइक्कांडो कोच एवं नेशनल ताइक्कांडो रेफरी भी है इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के सभी राज्यों के खिलाड़ियों के साथ-साथ पुलिस एवं सर्विसेज टीम भी पार्टिसिपेट कर रही है। इस प्रतियोगिता में सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर सभी वर्गों में 3000 से ज्यादा खिलाड़ी पार्टिसिपेट कर रहे हैं।

श्री महेंद्र जी कुमावत सिक्का, पंचायत शिक्षक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नांदरी ब्लॉक किशनगढ़-रेनवाल को शिक्षा विभाग में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने पर 77वें गणतंत्र दिवस 2026 को उपखंड स्तरीय सम्मान समारोह में उप जिला कलेक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी श्री सर्वेश जी शर्मा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, तहसीलदार महोदया, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।

जोधा राम कुमावत (कनिष्ठ अभियंता) कार्यालय सहायक अभियंता, जल संसाधन उपखण्ड परबतसर को गणतंत्र दिवस पर उपखण्ड परबतसर स्तर पर सम्मानित होने पर बधाई उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए गणतंत्र दिवस पर सम्मानित हुए पत्रकार **दिनेश कुमावत** बहुत बहुत बधाई उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

श्री तेजमल जी कुमावत सामाजिक कार्यकर्ता को उपखंड अधिकारी देवली द्वारा गणतंत्र दिवस पर सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में अर्जित विशेष उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया बहुत बहुत बधाई उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

भारत-ईयू ने किया फ्री ट्रेड एग्रीमेन्ट 'मदर ऑफ ऑल डील्स'

27 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) ने फ्री ट्रेड एग्रीमेन्ट (मदर ऑफ ऑल डील्स) पर हस्ताक्षर किये। EU के 27 देशों में 99% भारतीय माल पर टेरिफ शून्य या न्यूनतम होगा। इससे जेम्स एण्ड ज्वैलरी, टेक्सटाइल, लेदर व फुटवीयर, इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यातकों को लाभ होगा। भारतीय प्रोफेशनल्स एवं विद्यार्थियों को आसान वीजा मिलने की राह खुलेगी। वहीं भारत ने लक्जरी कारों, वाहन आदि पर टेरिफ कम किया है।

दुनिया की 25% साझा जीडीपी वाले भारत-उयू का यह एग्रीमेन्ट व्यापार में मील का पत्थर साबित होगा। मोदी ने कहा कि यह ट्रेड डील ही नहीं साझा समृद्धि का ब्लूप्रिंट है। ईयू अध्यक्ष उर्सला वान ने कहा कि भारत ईयू ने डील करके इतिहास रचा है। ईयू काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने इस ट्रेड डील में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की वही भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की मेहनत का यह परिणाम है। इस डील में एग्री सेक्टर नहीं खोला गया है तथा सीफूड (झींगा मछली) पर टेरिफ शून्य रहेगा इससे भारतीय मछुआरों को फायदा होगा।

अमेरिका की ट्रेड टेरिफ की धमकियों के बीच ईयू-भारत की इस डील ने अमेरिका सहित विश्व के कई देशों को चौंका दिया है।

'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन'

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 फरवरी, 2026 को 'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन-1' तथा 'कर्तव्य भवन-2' का उद्घाटन किया।
- सेवा तीर्थ (Seva Teerth): इस भवन में देश के सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यालय स्थित हैं, जिनमें प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और मंत्रिमंडल (कैबिनेट) सचिवालय शामिल हैं।
- कर्तव्य भवन (Kartavya Bhavan): कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 में देश के प्रमुख मंत्रालयों को जगह दी गई है, जैसे कि वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और कृषि मंत्रालय।
- एकीकृत कामकाज: पहले ये सरकारी कार्यालय अलग-अलग पुरानी इमारतों में बिखरे हुए थे। अब इन्हें एक ही परिसर में लाने से विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा और काम की गति बढ़ेगी।
- आधुनिक सुविधाएँ: इन भवनों को डिजिटल रूप से एकीकृत किया गया है। यहाँ केंद्रीकृत स्वागत और जनता से जुड़ाव के लिए सुव्यवस्थित क्षेत्र बनाए गए हैं।
- पर्यावरण का ध्यान: इन परिसरों को 4-स्टार GRIHAfull (Green Rating for Integrated Habitat Assesment) रेटिंग के साथ डिजाइन किया गया है। यहाँ सौर ऊर्जा (Renewable Energy), जल संरक्षण और कूड़ा प्रबंधन की अत्याधुनिक व्यवस्था की गई है।

- स्मार्ट सुरक्षा: भवनों में स्मार्ट एक्सेस कंट्रोल, निगरानी नेटवर्क और उन्नत आपातकालीन सुरक्षा प्रणालियाँ लगाई गई हैं ताकि अधिकारियों और आगंतुकों के लिए सुरक्षित माहौल रहे।
- नागरिक केंद्रित शासन: यह नई अवसंरचना प्रधानमंत्री की आधुनिक, कुशल और सुलभ शासन प्रणाली बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- लागत और दक्षता में सुधार: कार्यालयों के एक ही जगह होने से पुरानी इमारतों के रखरखाव पर होने वाला भारी खर्च बचेगा और कामकाज में आने वाली चुनौतियाँ कम होंगी।

डॉ. अंजलि कुमावत, दांता MBBS ने परीक्षा उत्तीर्ण की

दांता। धाबाई कोठी, दांता निवासी जगदीश प्रसाद कुमावत की पुत्री डॉ. अंजलि कुमावत (जेठीवाल) ने एक छोटे से गांव से निकलकर विदेश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। डॉ. अंजलि कुमावत ने OSH State Medical University से MBBS की पढ़ाई पूरी करते हुए प्रथम प्रयास में ही 204 अंक प्राप्त कर एक शानदार कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी यह उपलब्धि कुमावत समाज के लिए गर्व का विषय है। साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का उनका यह सफर समाज की बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि लगन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। डॉ. अंजलि की उपलब्धि पर कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से उज्ज्वल भविष्य की कामना।

भाजपा ओबीसी मोर्चा संजीव वर्मा को भरतपुर जिला प्रभारी नियुक्त

डॉ. महेंद्र कुमावत के निर्देशानुसार केन्द्रीय बजट-2026 के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं श्रमिक संवाद सम्मेलन के प्रभावी आयोजन हेतु संजीव वर्मा को भरतपुर जिला प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर संजीव वर्मा ने शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा सौंपे गए इस दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से किया जाएगा। केन्द्रीय बजट-2026 की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन व श्रमिक वर्ग तक पहुँचाने तथा श्रमिक संवाद सम्मेलन को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने के संकल्प के साथ भरतपुर में प्रचार-प्रसार एवं संवाद किया गया। श्री संजीव कुमावत युवा प्रतिभा है तथा ये सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी होने के साथ-साथ एक अच्छे समाज सेवक हैं।

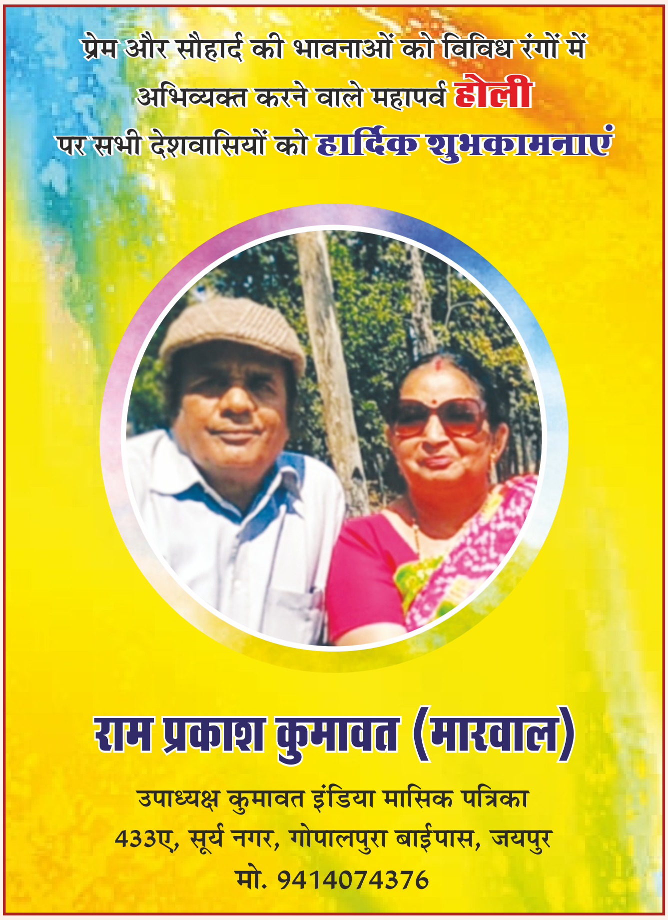

कुचामन सिटी के लाडलों ने बढ़ाया मान!

कुचामन के बडला का बास निवासी **राकेश कुमावत** एवं ग्राम टोरड़ा निवासी तरुण कुमावत ने ओडिशा में आयोजित 10वीं सब जूनियर रग्बी नेशनल प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा है।

इन होनहार खिलाड़ियों ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा किसी बड़े शहर या पहचान की मोहताज नहीं होती। जब संकल्प मज़बूत हो और मेहनत सच्ची हो, तो कुचामन जैसे छोटे शहर से भी नेशनल लेवल के खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं।

श्री राजकुमार फोजी ने दोनों खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से भी इन खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना।

पृथ्वीराज कुमावत ने इण्डिया पिंग फेस्ट में कार्विंग लाईव डेमो दिया

इण्डिया पिंक फेस्टिवल के पांचवें संस्करण 6-8 फरवरी में समाज के सुप्रसिद्ध स्टोन कार्विंग आर्टिस्ट पृथ्वीराज कुमावत ने अपनी कला का लाईव डेमो देकर सभी को आकर्षित किया। इसमें कार्विंग की सूक्ष्म तकनीकों, औजारों तथा धैर्य के साथ साधना से जुड़ी बारीकियों को शिल्पकला प्रेमियों को बताया गया।

महेन्द्र कुमावत ने विद्युत बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जीता खिताब

महेन्द्र कुमावत ने राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम द्वारा आयोजित विद्युत बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2026 प्रतियोगिता के पुरुष युगल में महेन्द्र परेवा के साथ खिताब जीतकर अपने नाम किया। वहीं पुरुष युगल में महेन्द्र कुमावत उपविजेता रहे।**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

तृतीय पुण्यतिथि

14-02-2026

सादर श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती कान्ता देवी कुमावत

(धर्मपत्नी श्री सत्यनारायण कुमावत)

सेवानिवृत्त एडिशनल एस.पी.

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारजन भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। आपका स्नेह, संस्कार एवं आशीर्वाद हमें सदैव मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा।

श्रद्धावनत :

पुत्र-पुत्रवधु : राकेश कुमावत (एजी ऑफिस)-मीना कुमावत, **पौत्र :** आदित्य कुमावत,

पुत्री-दामाद : रेणु-चेतनजी धुंधारिया, रितु-दुष्यन्तजी, **दोहिते-दोहिती :** तनुज, सारा व स्वरा

निवास : एस-3बी, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016 मो.: 9414775188, 9460061006

म्हाने खेलण दो गणगौर — मरुधरा के मन से उठती प्रेम की पुकार..

राजस्थान को यदि सच में समझना हो, तो उसके किलों की ऊँचाई से नहीं, उसके त्योहारों की गहराई से समझना होगा। और उन त्योहारों में भी जो सबसे अधिक आत्मीय, सबसे अधिक जीवित और सबसे अधिक स्त्री-हृदय से जुड़ा है, वह है **गणगौर।** यह केवल पूजा नहीं, यह जीवन का उत्सव है; यह केवल परंपरा नहीं, यह पीढ़ियों से बहती आस्था की नदी है। होली के रंग जब धीरे-धीरे फीके पड़ते हैं, तब राजस्थान की स्त्रियों के मन में एक नया रंग उतरता है—श्रद्धा का, प्रतीक्षा का और प्रेम का। आँगन लीपे जाते हैं, दीवारों पर मांडने बनाए जाते हैं, और मिट्टी को आकार देकर ईसर-गौर की प्रतिमाएँ गढ़ी जाती हैं। उस मिट्टी में केवल पानी नहीं मिलाया जाता, उसमें विश्वास और स्मृतियाँ भी गूंथी जाती हैं।

'गण' अर्थात शिव और **'गौर'** अर्थात पार्वती—इसी से बना है **गणगौर**। राजस्थान में शिव को इसर कहा जाता है, और पार्वती को गौर। लोककथा कहती है कि माता पार्वती ने शिव को पाने के लिए कठोर तप किया था। पर यह पर्व केवल उस कथा का स्मरण नहीं, बल्कि उस तपस्या की भावना का उत्सव है। यहाँ अविवाहित कन्याएँ मनचाहे जीवनसाथी की कामना करती हैं और विवाहित स्त्रियाँ अपने सुहाग की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। किंतु यदि ध्यान से देखा जाए, तो यह व्रत केवल किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार की शांति और सम्मान के लिए होता है। गणगौर स्त्री की उस मौन शक्ति का प्रतीक है, जो बिना शोर किए रिश्तों को सींचती रहती है।

गाँवों में गणगौर का दृश्य अत्यंत भावपूर्ण होता है। सुबह की पहली किरण के साथ लड़कियाँ सिर पर कलश रखकर बगीचों से दूब लाती हैं। समूह में बैठकर वे लोकगीत गाती हैं, जिनमें उनकी हँसी भी होती है और उनका दर्द भी। आज भी गलियों में स्वर उठता है—

''गोर गवर गोमती, ईसर पूजे पार्वती'' और कहीं से गूँज आता है— **''खेलण दो गणगौर, म्हाने खेलण दो गणगौर''**

इन पंक्तियों में भक्ति के साथ-साथ एक स्त्री का स्वाभिमान भी छिपा होता है। **''म्हाने खेलण दो''**—यह केवल खेलने की अनुमति नहीं, बल्कि जीने की अनुमति की पुकार है। इन गीतों में मायके की स्मृति है, ससुराल की जिम्मेदारी है, और जीवन के प्रति एक सहज स्वीकृति है। गीत यहाँ केवल रस्म नहीं, बल्कि सामूहिक आत्मकथा हैं।

जयपुर में जब गणगौर की शाही सवारी निकलती है और हवा महल की झरोखों तथा बरामदों से लोग उसे निहारते हैं, तो गुलाबी नगरी अपनी सांस्कृतिक गरिमा में और भी उज्ज्वल लगती है। सजी हुई पालकियाँ, पारंपरिक वेशभूषा में कलाकार, ऊँटों की टाप और ढोल-नगाड़ों की गूँज—यह सब मिलकर एक ऐसा दृश्य रचते हैं, जहाँ इतिहास और वर्तमान साथ चलते प्रतीत होते हैं। उदयपुर की झीलों के किनारे जब दीपों की रोशनी में ईसर-गौर की प्रतिमाएँ जल के समीप लाई जाती हैं, तो उनकी परछाई पानी में झिलमिलाती है और वातावरण में एक अलौकिक शांति भर जाती है। उस क्षण लगता है जैसे मरुधरा की कठोरता भी कोमल हो गई हो।

गणगौर की सबसे सुंदर बात यह है कि उसमें शोर नहीं, शांति है। इसमें दिखावा नहीं, बल्कि सादगी है। मिट्टी की प्रतिमाएँ कुछ दिनों तक पूजी जाती हैं और फिर विसर्जित हो जाती हैं—जैसे जीवन की हर सुंदर वस्तु क्षणभंगुर हो, पर उसकी स्मृति अमर हो जाती है। विसर्जन के समय कई आँखें नम हो उठती हैं, पर उन आँसुओं में उदासी से अधिक संतोष होता है। मानो यह स्वीकार हो कि प्रेम को हर वर्ष फिर से जीना होगा, हर वर्ष फिर से साधना करनी होगी।

समय बदल गया है, जीवन की गति तेज हो गई है, पर गणगौर आज भी अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है। नई पीढ़ी की युवतियाँ आधुनिकता के साथ परंपरा को भी सहेज रही हैं। वे फोटो खिंचवाती हैं, पर साथ ही पूजा भी करती हैं; वे हँसती हैं, पर गीत भी गाती हैं। यही इस पर्व की जीवंतता है—यह बदलते समय में भी अपना मूल भाव नहीं खोता। आज के आधुनिक युग में भी गणगौर की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। यह त्योहार हमें सिखाता है कि रिश्ते केवल समझौते नहीं, बल्कि तपस्या, धैर्य और समर्पण का नाम हैं। यह समुदाय को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है, जहाँ ऊंच-नीच का भेद भूलकर सभी महिलाएं एक साथ मिलकर खुशियाँ मनाती हैं।

गणगौर केवल एक व्रत नहीं है, यह हमारी उस समृद्ध विरासत का आईना है जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है। यह नारी की उस शक्ति का उत्सव है जो मौन रहकर भी पूरे परिवार को प्रेम के धागे में पिरोए रखती है।

''यह लेख केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि मेरी मातृभूमि की उन परंपराओं की स्मृति है, जिन्होंने मुझे अपनी जड़ों से जोड़े रखा है।''

गणगौर अंततः यही सिखाता है कि प्रेम केवल शब्द नहीं, एक अभ्यास है; संबंध केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन है। राजस्थान की मरुभूमि जितनी कठोर दिखाई देती है, उतनी ही भीतर से संवेदनशील भी है और गणगौर उसी संवेदनशीलता का उत्सव है। यह पर्व हर वर्ष आकर हमें याद दिलाता है कि संस्कृति केवल इतिहास की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान की साँस है। जब तक स्त्रियाँ अपने स्वर में **''गोर गवर गोमती''** गाती रहेंगी, तब तक राजस्थान की आत्मा जीवित रहेगी।

- सीमा कुमावत

यातायात नियमों से खिलवाड़ ना करें

आजकल लगभग सभी छोटे बड़े विद्यालयों में विदाई समारोहों यानि कि विदाई समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। बच्चा जब होश सम्भालता है तब वह परिवार की दहलीज से निकलकर बाहर की दुनिया में सर्वप्रथम विद्यालय में कदम रखता है। तब से लेकर जब तक विद्यालय को छोड़ता है तब तक सही मायने में देखा जाए तो विद्यालय उसका दूसरा परिवार होता है जहां शिक्षक माता-पिता के समान उसे ज्ञान देते हैं, जीवन जीना सिखाते हैं तथा उसे एक सभ्य, शिक्षित व संस्कारित मनुष्य बनाते हैं। अन्य विद्यार्थियों के साथ रहकर वह भाई-बहिनों की तरह संग में खाना-पीना, खेलना, लड़ना-झगड़ना, मानना, बोलना, हंसना सीखता है तथा इस विद्यालय रूपी परिवार में छोटे से बड़ा होता है। ये सब व्यक्ति के जीवन के सबसे यादगार व खूबसूरत लम्हे होते हैं। इतने सालों बाद जब ये परिवार छूटता है, संगी-साथी बिछुड़ते हैं, गुरुजनों के संग व सानिध्य से वंचित होने के अहसास से ही आंखे छलछला जाती है। इस विदाई को यादगार बनाने के लिए ही विद्यालय द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया जाता है।

आजकल फैशन का दौर है। इसी क्रम में आजकल विद्यार्थियों द्वारा फेयरवेल के अवसर पर महंगी, चोपहिया गाड़ियां जिनमें लग्जरी कारें तथा थार जीप इत्यादि शामिल हैं, किराए पर ली जा रही हैं जिनकी खिड़कियों से बाहर लटक कर छात्र-छात्राएं वीडियो तथा रील्स बना रहे हैं। लड़कियां भी ढीले-ढाले फैन्सी कपड़ों में गाड़ी के दरवाजे पर खड़ी होकर व छत पर बैठकर चलती गाड़ी में फोटोज ले रही हैं। शो ऑफ के नाम पर जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि इनमें से ज्यादातर बच्चे 18 साल से कम उम्र के हैं जिन्हें ना तो सड़क पर चौपहिया वाहन चलाने का लाईसेंस प्राप्त है और ना ही गाड़ी चलाने का ज्ञान तथा अनुभव है। ये छोटे-छोटे बच्चे किराए की गाड़ियां धड़ल्ले से सड़क पर दौड़ा रहे हैं। इन्हें विद्यालय प्रशासन तथा अभिभावकों द्वारा खुली छूट दी जा रही है जो कि बिल्कुल गैर कानूनी है। इनकी एक छोटी सी लापरवाही किसी की जान तक ले सकती है। हाल ही में एक फेयरवेल रैली के दौरान तीन विद्यार्थी जो कि गाड़ी की छत पर बैठे थे, चलती जीप से अचानक सड़क पर आ गिरे। हालांकि किसी को चोट नहीं आई ओर गंभीर हादसा नहीं हुआ मगर यह सरासर खुद की तथा अन्य लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। इससे पहले कि कोई बड़ा हादसा हो और किसी को अपनी जान से हाथ धोना पड़े, अभिभावकों और स्कूल संचालकों को इस पर तुरंत रोकना चाहिए। विद्यालय के परिसर के बाहर हो-हल्ला करने का अधिकार बच्चों को दिया ही क्यों जा रहा है ? यह सोचने वाली बात है। हर बात की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है, कुछ दायित्व हमारे भी बनते हैं। यातायात के नियमों की अवहेलना करना खुद ही दुर्घटना को न्यौता देना है। प्रशासन को भी इस प्रकार के सभी कार रेन्टल कम्पनीज व ऑपरेटर्स पर कार्यवाही करनी चाहिए जो किराए के लालच में छोटे बच्चों को गाड़ियां गैर कानूनी रूप से पकड़ा रहे हैं। ट्रेफिक पुलिस को भी इस प्रकार की गाड़ियों को रोककर इन पर चालन करना चाहिए। ऐसे अनुचित व असुरक्षित कृत्यों पर रोकथाम बहुत जरूरी है।

- उर्वशी बालोदिया

न्यूज चैनल 'आजतक' ने भी दिल्ली में स्टंटबाजों को दिखाते हुए इस विषय पर चिंता व्यक्त की है।

-सम्पादक

समाचार

लिव-इन रिलेशन समाज हो सचेत

''ऐसी पढ़ाई भी क्या काम की, जिससे परिवार ही टूट जाए ?''

लिव-इन रिलेशनशिप जैसे सामाजिक मुद्दे पर अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश मनोज गर्ग खुलकर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा कि बिना विवाह के युवक-युवतियों का साथ रहना भारतीय पारिवारिक व्यवस्था के लिए गहन चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर दिन जोधपुर बेंच में लगभग 11 मामले ऐसे आते हैं, जिनमें युवक-युवती बिना विवाह साथ रहने की जानकारी देते हुए अपने ही परिजनों से सुरक्षा देने की गुहार लगाते हैं। ''यह सोचने का विषय है कि आखिर आज का युवा वर्ग विवाह के पवित्र बंधन से पहले ही साथ क्यों रहना चाहता है? यह हमारे पारिवारिक ताने-बाने को कमजोर कर रहा है।'' इस प्रवृत्ति का एक बड़ा कारण उच्च शिक्षा और शहरी जीवन की दौड़ को माना। अक्सर माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और करियर के लिए बड़े शहरों में भेजते हैं। दसवीं-बारहवीं कक्षा के बाद ही बच्चे घर से दूर हो जाते हैं, और वहीं से स्वतंत्र जीवन और संबंधों की नई अवधारणाएं जन्म लेने लगती हैं। पढ़ाई जरूरी है, लेकिन ऐसी पढ़ाई किस काम की जिससे बच्चे परिवार की मर्यादा, रिश्तों की गरिमा और सामाजिक मूल्यों को ही भूल जाएं ? उन्होंने यह भी कहा कि आजकल लड़के-लड़कियों की शादी 28-30 की उम्र में हो रही है। देर से विवाह होने पर वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बिठा पाना भी कठिन हो जाता है।

आज वास्तविकता यह है कि माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता बच्चों के वैवाहिक जीवन में आ रहे तनाव और टूटते रिश्ते हैं। और जब युवक-युवतियां लिव-इन रिलेशन जैसे विकल्पों के लिए अदालत का सहारा लेने लगें, तो यह पारंपरिक भारतीय समाज के लिए गहरे आत्ममंथन का विषय है।

चैतन्य महाप्रभु के भक्त की गीता के प्रति श्रद्धाभक्ति

चैतन्य महाप्रभु का एक भक्त था। वह प्रतिदिन गीता का पाठ करते हुए मस्त हो जाता था, गद्‌गद् हो जाता था और रोने लगता था। वह शुद्ध पाठ नहीं करता था। उसके पाठ में अशुद्धियाँ आती थीं। उसके बारे में किसी ने चैतन्य महाप्रभु से शिकायत कर दी कि 'देखिये प्रभु! वह बड़ा पाखण्ड करता है; पाठ तो शुद्ध करता नहीं और रोता रहता है।' चैतन्य प्रभु ने उसको अपने पास बुलाकर पूछा, 'तुम गीता का पाठ करते हो, तो क्या उसका अर्थ जानते हो।' उसने कहा, 'नहीं प्रभु!' फिर पूछा, 'तो तुम फिर रोते क्यों हो।' उसने कहा, 'मैं जब **अर्जुन उवाच**' पढ़ता हूँ; तो अर्जुन भगवान से पूछ रहे हैं 'ऐसा मेरे को प्रत्यक्ष दिखता है और जब मैं **'श्री भगवानुवाच'** पढ़ता हूँ तो भगवान अर्जुन के प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं-ऐसा मेरे को प्रत्यक्ष दिखता है। इस प्रकार भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन का अपास में संवाद हो रहा है-ऐसा प्रत्यक्ष दीखता है; परन्तु अर्जुन क्या पूछते हैं और भगवान क्या उत्तर देते हैं, यह मेरी समझ में नहीं आता। मैं तो उन दोनों के दर्शन करके राजी होता हूँ।' उसकी ऐसी श्रद्धा भक्ति देखकर चैतन्य महाप्रभु बहुत प्रसन्न हुए। इस प्रकार की श्रद्धा भक्ति वाला मनुष्य गीता को केवल सुन भी ले तो उसकी मुक्ति हो जाती है, इसमें कोई संदेह नहीं रहता। वह शरीर छूटने पर सम्पूर्ण पापों से मुक्त होकर पुण्यकारियों के शुभ लोकों को प्राप्त हो जाता है। ऐसे पुण्यकर्मा भक्तों को अपने-अपने इष्ट के अनुसार वैकुण्ठ, साकेत, गोलोक, कैलास आदि जिन दिव्य लोकों की प्राप्ति होती है, असूया-दोष रहित श्रद्धावान पुरुष को गीता सुनने मात्र से उन लोकों की प्राप्ति हो जाती है।

- प्रो. बालकृष्ण कुमावत, उज्जैन

सोशल मीडिया पर प्रतिबन्धों की शुरुआत

आस्ट्रेलिया 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया प्रतिबन्ध लगाने वाला पहला देश है। प्रधानमंत्री अल्वनीज ने कहा कि प्रतिबंध यह सुनिश्चित करेगा कि बच्चों को उनका बचपन मिले। अब **फ्रांस** ने भी 15 वर्ष की उम्र तक के बच्चों का सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाले कानून को नेशनल एसेम्बली से पास करवा दिया है। राष्ट्रपति मेक्रो ने कहा कि **हमारे बच्चों के दिमाग न तो अमेरिकी प्लेटफार्म्स के लिए हैं न ही चीनी नेटवर्कस के लिए।** फ्रांस के हेल्थ वॉचडॉग के अनुसार हर दूसरा बच्चा 5 घण्टे स्मार्ट फोन पर बिताता हैं। सोशल मीडिया यूजर्स को को अब आयु का सत्यापन कराना होगा। इस कानून के सितम्बर, 2026 से लागू होने की सम्भावना है। इससे अल्गोरिदम आधारित कंटेंट, अत्यधिक स्क्रीन टाइम और मानसिक नुकसान से बच्चों को बचाया जा सकेगा।

दक्षिण कोरिया ने मार्च 2026 से स्कूलों में मोबाइल फोन और डिजीटल डिवाइस पर बैन लगा दिया है। यह निर्णय छात्रों की सोशल मीडिया की लत और पढ़ाई पर हो रहे असर को देखते हुए लिया गया है।

स्पेन की सरकार ने भी अब 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर सोशल मीडिया प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। वहां के प्रधानमंत्री ने दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट के दौरान इसे **'डिजीटल वाइल्ट वेस्ट'** से बच्चों को बचाने का कदम बताया। स्पेन में हुए सर्वे में 82 प्रतिशत स्पेनिश नागरिकों ने 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए ऐसे प्रतिबंधों का समर्थन किया था। सरकार का कहना है कि कानून बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और डिजिटल सुरक्षा की दिशा में निर्णायक मोड साबित होगा।

भारत में भी **गोवा सरकार** ने कहा है कि आस्ट्रेलिया के कानून का अध्ययन करवा रहे हैं और इस पर शीघ्र विचार किया जाएगा। वहीं **आन्ध प्रदेश सरकार** ने भी इस पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह गठित किया है।

आज सोशल मीडिया पर प्रतिबन्ध का मुद्दा विश्व व्यापी हो गया है। अनेक देशों में इस मुद्दे पर तेज बहस हो रही है तथा प्रतिबन्ध लगाने के लिए निम्न तर्क दिये जा रहे हैं:-

मानसिक स्वास्थ्य : सोशल मीडिया की लत से बच्चों का स्क्रीन टाइम 5-6 घण्टे हो गया है। इससे बच्चों में अवसाद, एन्जाइटी और अकेलापन बढ़ रहा है।

साइबर अपराध एवं बुंल्गि : बच्चे ऑन लाइन शिकारियों के चंगुल में आ रहे हैं। इस पर अनुचित एवं भ्रामक सामग्री बच्चों के मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

शारीरिक एवं शैक्षणिक गिरावट : सोशल मीडिया पर व्यस्त रहने से पूरी नींद नहीं ले पाते, वे शारीरिक रूप से निष्क्रिय होते जा रहे हैं, उनमें चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है तथा पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रहे हैं। छोटी उम्र में ही बच्चे मोटापे का शिकार हो रहे हैं।

भारत में स्थिति : भारत में सोशल मीडिया उपयोग के लिए आयु सीमा निर्धारित नहीं है न ही सख्त कानून है। इससे अनावश्यक, अनुचित एवं भ्रामक तथा अश्लील सामग्री सोशल मीडिया पर डाल दी जाती है जिसे बच्चे देख सकते हैं। इसलिए 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया प्रतिबंध लगाए जाने तथा आयु सत्यापन के बाद ही शेष लोगों को सोशल मीडिया उपयोग की इजाजत दी जानी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स को भी उत्तरदायी बनाने हेतु नियम बने और उल्लंघन के लिए सख्त दण्ड के प्रावधान रखने पर सरकार शीघ्र विचार करें।

- रमेश गेदर

होली के रंग और जनमानस का आईना

(उत्सव की चकाचौंध में छिपे यथार्थ का आत्ममंथन)

होली रंगों का त्योहार है। यह केवल अबीर-गुलाल की उड़ती फुहार नहीं, बल्कि हृदय के द्वार खोलने का पावन अवसर है। जब आकाश में रंगों की बौछार होती है, जब गलियों में हँसी गूँजती है, जब रिश्तों पर स्नेह का गुलाल लगता है, तब सचमुच लगता है मानो जीवन ने इंद्रधनुष ओढ़ लिया हो। हर चेहरा रंगा हुआ, हर मन उमंग से भरा हुआ, और हर दूरी जैसे क्षणभर में मिट जाती है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य विविधता में है- भिन्न-भिन्न रंगों की संगति ही उसे पूर्ण बनाती है।

परंतु एक प्रश्न मन को कुरेदता है- क्या हमारा जनमानस भी उतना ही रंगीन, निर्मल और निष्कलुष है जितना होली के दिन दिखाई देता है? क्या जिन चेहरों पर हम रंग लगाते हैं, उन चेहरों के पीछे छिपी संवेदनाएँ भी उतनी ही सच्ची हैं? सच तो यह है कि होली के चटक रंगों की चमक के पीछे जनमानस के कई बदरंग चेहरे भी छिपे हुए हैं। बाहरी उल्लास के बीच कहीं न कहीं ईर्ष्या, स्वार्थ, दिखावा और संवेदनहीनता की परतें भी मौजूद हैं। हम एक दिन के लिए गले तो मिलते हैं, पर मन के भीतर की दूरियाँ सालों तक बनी रहती हैं। आज आवश्यकता है कि हम इन रंगों को पहचानें, क्योंकि ऊपर से चकाचौंध और भीतर से खोखलापन अब हमारी आदत बन चुका है।

भ्रष्टाचार का काला रंग

भ्रष्टाचार ऐसा काला रंग है, जो धीरे-धीरे नहीं, बल्कि भीतर ही भीतर रिसती कालिख की तरह पूरे जनमानस की आत्मा को मलिन करता जा रहा है। यह केवल व्यवस्था पर लगा धब्बा नहीं, बल्कि विश्वास की चादर पर पड़ा वह दाग है जो लाख धोने पर भी फीका नहीं पड़ता। जब व्यवस्था के प्रहरी ही अपनी जिम्मेदारियों की दीवारों में दरार डालने लगें, जब कुर्सी पर बैठा व्यक्ति कर्तव्य नहीं, अवसर देखने लगे, तब आमजन की उम्मीदें रेत की मानिंद उँगलियों से फिसल जाती हैं। जिन हाथों में न्याय की तराजू होनी चाहिए, उन्हीं हाथों में जब सौदेबाज़ी का पलड़ा झुकने लगे, तो व्यवस्था की रीढ़ ही टूट जाती है। आज ईमानदारी जैसे आसमान का वह तारा बन गई है, जिसे देख तो सकते हैं, पर छू नहीं सकते। सत्य बोलना साहस का काम हो गया है और सिद्धांतों पर अडिग रहना मूर्खता समझा जाने लगा है। यह कैसी विडंबना है कि बेईमानी को चतुराई और ईमानदारी को कमजोरी माना जाने लगा है! समाज के चेहरे पर मुस्कान है, पर भीतर खोखलापन; शब्दों में आदर्श हैं, पर आचरण में स्वार्थ। **''मुँह में राम, बगल में छुरी''** वाली प्रवृत्ति ने हमारे सामाजिक चरित्र को दोहरेपन का आईना बना दिया है- जहाँ मंचों पर नैतिकता की बातें होती हैं और बंद कमरों में सौदे तय होते हैं।

महंगाई का लाल-तपता रंग

महंगाई ऐसा धधकता लाल रंग है जो केवल रसोई की आंच ही नहीं, बल्कि हर घर की उम्मीदों को भी झुलसा रहा है। दाल-रोटी का साधारण स्वाद अब सोने के भाव बिकने लगा है। सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, गैस सिलेंडर की कीमतें जैसे आग में घी डाल रही हों। आम आदमी की कमर टूट रही है, पर जिम्मेदार लोग **''कान में तेल डालकर''** बैठे हैं मानो उन्हें उस धुएँ की जलन महसूस ही न हो, जो हर रसोई से उठकर आह बनकर आसमान में घुल रहा है। कभी जो थाली सादगी से भर जाती थी, आज वही थाली आधी रह गई है। **''ऊँट के मुँह में जीरा''** जैसी स्थिति हो गई है- आय कम, खर्च बेहिसाब। वेतन कम, पर बाजार के भाव बेकाबू; जैसे **''आम के आम, गुठलियों के दाम''** की तर्ज पर हर वस्तु दोहरी मार कर रही हो। त्योहार आते हैं, पर कई घरों में खुशियों के रंग फीके पड़ जाते हैं। जहां कभी पकवानों की खुशबू होती थी, वहां अब हिसाब-किताब की लंबी सूचियाँ और चिंता की लकीरें दिखाई देती हैं। मध्यमवर्ग और निम्नवर्ग के लिए हर दिन एक नई जंग बन गया है, जहाँ जीत की नहीं, बस गुज़ारे की उम्मीद बची है। महंगाई का यह लाल-तपता रंग केवल जेब नहीं जलाता, यह आत्मसम्मान और सपनों को भी राख कर देता है। जरूरत है कि इस धधकती आग पर नियंत्रण की वर्षा हो, वरना यह लाल रंग समाज की बुनियाद तक को झुलसा देगा।

कुरीतियों का धूसर रंग

दहेज की आग, भेदभाव की दीवारें और जातीय अहंकार का ज़हर- ये कुरीतियाँ दीमक की तरह हमारी जड़ों को खोखला कर रही हैं। ऊपर से हम आधुनिकता का चोला ओढ़े घूमते हैं, पर भीतर की सोच आज भी **ढाक के तीन पात** ही है। हम चाँद पर पहुँचने की बात करते हैं, पर घर की चौखट पर बेटी के जन्म पर सन्नाटा छा जाता है। यह कैसी प्रगति है? **बेटी को बोझ समझना और बेटे को वंश का दीपक बताना**- क्या यही हमारे संस्कारों की थाती है? जाति और ऊँच-नीच का अहंकार हमें अंदर ही अंदर बाँट रहा है। हम भूल जाते हैं कि इंसानियत का कद सबसे ऊँचा होता है। जब समाज के ही लोग घर का भेदी लंका ढाए की तरह भेदभाव की आग भड़काते हैं, तो विकास की बातें केवल हवा-हवाई साबित होती हैं। यदि हम अब भी सच से आँख चुराते रहे, तो यह धूल एक दिन आँधी बनकर सब कुछ उड़ा ले जाएगी। समय की माँग है कि हम इन धूसर रंगों को पहचानें, उनका डटकर सामना करें और अपनी संस्कृति की उजली चादर को फिर से

स्वच्छ करें। वरना इतिहास हमें माफ नहीं करेगा, और आने वाली पीढ़ियाँ पूछेंगी- जब अन्याय सामने था, तब तुम खामोश क्यों थे ?

सोशल मीडिया का चकाचौंध रंग

सोशल मीडिया का रंग चमकीला जरूर है, पर कई बार यह ''**दूर के ढोल सुहावने**'' जैसा है। आभासी दुनिया में सब कुछ परफेक्ट दिखता है, पर वास्तविक जीवन में रिश्ते दरक रहे हैं। लोग लाइक्स और फॉलोअर्स के पीछे ऐसे भाग रहे हैं जैसे आँखों पर पट्टी बाँधकर दौड़ रहे हों। सच और झूठ का फर्क मिटता जा रहा है। अफवाहें ''**आग में घी डालने**'' का काम करती हैं और समाज को बाँट देती हैं।

संवेदनहीनता का बेरंग सच

सबसे भयावह रंग कोई काला या लाल नहीं, बल्कि वह बेरंग धुंध है जिसका नाम है- **संवेदनहीनता**। यह दिखती नहीं, पर भीतर ही भीतर आत्मा को राख कर देती है। यह ऐसा ज़हर है जो मुस्कुराते चेहरों के पीछे चुपचाप फैलता है और रिश्तों की जड़ों को खोखला कर देता है। आज हालात यह हैं कि किसी के दुःख पर हम दो पंक्तियों की औपचारिक संवेदना लिखकर कर्तव्य की इतिश्री समझ लेते हैं। आँसू अब इमोजी बन गए हैं और पीड़ा केवल स्टेटस की शोभा। न्याय और करुणा जैसे शब्द शब्दकोश में कैद होकर रह गए हैं। कभी-कभी लगता है कि इंसानियत की लौ आँधी में टिमटिमाते दीये-सी कांप रही है, और हम हाथ पर हाथ धरे तमाशबीन बने खड़े हैं। किसी के घर का चूल्हा बुझता है, किसी की उम्मीद दम तोड़ती है, और हम ''हमें क्या'' की चादर ओढ़कर सो जाते हैं। यह वही समाज है जहाँ कभी ''**वसुधैव कुटुंबकम्**'' का मंत्र गूंजता था, पर आज स्वार्थ की दीवारें इतनी ऊँची हो गई हैं कि पड़ोसी की चीख भी सुनाई नहीं देती। संवेदनहीनता वह जंग है जो धीरे-धीरे इंसानियत की तलवार को कुंद कर देती है। अब वक्त है कि हम राख में दबे अंगारों को फिर से हवा दें, करुणा की नमी से सूखी धरती को सींचें, और इंसानियत की उस बुझती लौ को फिर प्रज्वलित करें- वरना इतिहास गवाह रहेगा कि हमने सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं किया।

अब समय है आईना देखने का

आइए, इस होली पर संकल्प लें- भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएँगे, कुरीतियों को जड़ से उखाड़ने का प्रयास करेंगे, सोशल मीडिया का संयमित उपयोग करेंगे और सबसे बढ़कर, इंसानियत का रंग अपने जीवन में भरेंगे। क्योंकि यदि हमने अब भी आँखें मूँदी रखीं, तो आने वाली पीढ़ियाँ पूछेंगी- जब समाज बदरंग हो रहा था, तब तुम क्या कर रहे थे ?

-**निकिता वर्मा,** दमन

क्षमावान ही बलवान

जिसकी वाणी में क्षमा है वहीं सही में बलवान है। क्षमा का अर्थ है कि आप अपनी इच्छा से किसी के द्वारा करी गई गलती या अपराध के लिए उसे माफ कर देना और क्रोध या नाराजगी को ओर आगे नहीं बढ़ाना। क्षमा करने से हमारे मन को शांति मिलती है और आपस में बदलें की भावना भी नहीं आतीं हैं।

क्षमा मांगना और क्षमा करना दोनों ही कठिन कार्य है। जब कोई भी व्यक्ति क्षमा मांगता है तो वह अपने अहंकार को त्याग कर के अपने रिश्तों को महत्व देता है। उसे अपनी ग़लती का अहसास होता है और वह अपने रिश्तों को जोड़ने और उन्हें मजबूत बनाने का प्रयास करता है। जिससे आपस में प्रेम बढ़ता है। साथ ही हमारा क्रोध या तनाव कम होता है। हमें मानसिक शांति मिलती है और हमारा स्वास्थ्य सुधरता है।

दूसरा है क्षमा करना, जब आप किसी को उन्हीं की गयी ग़लती के लिए क्षमा करते हैं तो आप एक शक्तिशाली संपदा के धनी होते हैं और साथ ही आप सभी के प्रिय बन जाते हैं। आप के मन में से सभी नकारात्मक बातें निकल जाती है। सभी तरफ खुशी का माहौल रहता है और आप अपने जीवन में सभी की दुआओं के साथ आगे बढ़ते हैं और अपने जीवन के सभी कार्यों में सफल होते हैं। वर्तमान समय में जिसके जीवन में क्षमा है, उसके जीवन में सुख है, शांति है और आनंद है।

''**छमा बडन को चाहिए, छोटन को उतपात। कह रहीम हरि का घटियौ ,जो भृगु मारी लात**''।

अर्थ - रहीमदास जी ने कहा है कि बड़ों को क्षमा करना शोभा देता है, जबकि छोटे उत्पात करें तो कोई बात नहीं। जैसे भृगु ऋषि ने लात मारी तो भगवान का क्या घट गया, वैसे ही बड़ों को क्षमा करना चाहिए।

''**क्षमा समान न तप, सुख न संतोष समान। तृष्णा समान न व्याधी कोई , धर्म न दया समान**''।

अर्थ - क्षमा के समान कोई तपस्या नहीं, संतोष के समान कोई सुख नहीं, तृष्णा के समान कोई बीमारी नहीं और दया के समान कोई धर्म नहीं।

''**अनजाने ही कह दिये, हो यदि कड़वे बोल। कर देना अब माफ भी, अपने हिय को खोल।**''

अर्थ - यदि अनजाने में कड़वे शब्द कह दिये हो, तो अपने हृदय खोल कर अब माफ कर दो।

''**एक करोड़ पुष्पों के समान एक स्तोत्र, एक करोड़ स्तोत्रो के समान एक जप, एक करोड़ जपों के बराबर एक ध्यान और एक करोड़ ध्यान के बराबर एक बार की क्षमा है**''।

अर्थ - क्षमा का महत्व बहुत अधिक है, यह ध्यान और जप से भी बढ़कर है।

-**अभिलाषा वर्मा (खोराणीया)**

विशिष्ठ संरक्षक

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत
वि/153 डॉ. अनूप कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/154 श्री महेश जोहरी, लालकोठी, जयपुर
वि/155 श्री सोभाग्य चंद्र कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/156 डॉ. डी.एम. कुमावत, उज्जैन

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

16 जनवरी श्री केशरमल सोकिल, धोली मण्डी, चौमूं
16 जनवरी श्री कालूराम दुहारिया, ग्राम हस्तेड़ा, जयपुर
18 जनवरी श्री दीपक किरोड़ीवाल, बंगाली चौराहे के पास, इंदौर
18 जनवरी श्रीमती छोटा देवी बधानिया रिको कांटा पुलिया, सांगानेर
18 जनवरी श्रीमती मोना देवी तुनगरिया गोविन्दपुरा, जयपुर
16 जनवरी श्री भगवान लाल ईठारा, पुला, उदयपुर
19 जनवरी श्री मोहन लाल बासनीवाल, सोडाला, जयपुर
19 जनवरी श्री श्रवण लाल घोड़ेला, रेनवाल रोड, चौमूं
19 जनवरी श्रीमती प्रेम देवी आसोला, मदनगंज किशनगढ़
20 जनवरी श्री कन्हैयालाल दोराया (राजधानी मार्बल एण्ड टाइल्स) जयपुर
21 जनवरी श्री कन्हैयालाल धमुनिया, जयपुर
21 जनवरी श्री ज्ञानचंद सिंघनवाल, बिंदायिका, जयपुर
22 जनवरी श्रीमती नृसिंही देवी पत्नी स्व. श्री मन्नालाल वर्मा तोंदवाल, जयपुर
22 जनवरी श्री भगवान सहाय खोवाल, पुत्र स्व. श्री फूलचंद, जयपुर
23 जनवरी श्रीमती भंवरी देवी पत्नी स्व. श्री जीवनराम बधानिया, बोबास
24 जनवरी श्री शंकर लाल जालवाल, मान्यावास, जयपुर
26 जनवरी श्री गणेश लाल राहोरिया, गुएबेरसल
26 जनवरी श्रीमती धापू देवी खोवाल रिको कोटा, जयपुर
28 जनवरी श्री रामकिशन घोड़ेला, बिहारी पोल, किशनगढ़
28 जनवरी श्री कैलाश चंद खोराणिया, लालपुराकॉलोनी, वनस्थली मार्ग, जयपुर
28 जनवरी श्री भंवरलाल कारीगर (नेमीवाल) बगरू
4 फरवरी श्री लल्लूराम मारोठिया मास्टर जी, रामपुरा डाबड़ी
5 फरवरी री बोदूराम खाटवाल, सांगानेर
5 फरवरी श्री सीताराम वोहरा, गोवर्धन विलास, उदयपुर
6 फरवरी श्री मोहन लाल गोठवाल, अम्बापोल, उदयपुर
6 फरवरी श्री गट्टू देवी खोरानिया, जयपुर
6 फरवरी श्री रामनारायण खोवाल, जयसिंहपुरा, भांकरोटा
7 फरवरी श्रीमती भगवती बाई खटोड़, निम्बाहेड़ा
8 फरवरी श्री रमेश कुमार पुत्र स्व. हर प्रसाद खोवाल, दुर्गापुरा जयपुर
8 फरवरी श्री श्रवण लाल पीपलोदा, हाथोज
12 फरवरी श्रीमती हानवंती पत्नी स्व. श्री सुदेश खनाड़िया, उदयपुर
15 फरवरी श्री महेश चंद्र उदिवाल, चांदपोल, उदयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
रविश	M.A., ITI	Hariyana Constable	05.07.98	6'0''	घोड़ेला	नीमीवाल	कलेडिया	बेडवाल	9034742463	हिसार
लोकेश	10th	च.श्रे. कर्मचारी LIC	22.4.85	5'4''	धुमुनिया	मारवाल	अजमेरा	सिराहिया	9351271471	जयपुर
संदीप	B.Tech. (EC)	JEN (Govt.)	23.7.97	5'8''	खोवाल	तूंदवाल	मारवाल	दिल्लीवाल	9680416206	जयपुर
अरविन्द	M.Com., LLB	Account job	22.5.94	-	मारोठिया	अजमेरा	खरकटा	सिरोहिया	9351335672	जयपुर
डॉ.धनसुख	(तलाकशुदा)MBBS	Job in Pvt. Hospital	01.01.80	5'9''	घोड़ेला	जलान्दरा	देतवाल	तुनवाल	8825521221	सीकर
शुभम	P.G., B.Ed. PGDCA	Private Job	13.6.97	5'2''	तांगड़ा	कुलचानिया	सरस्वा	दोबलदिया	9571455184	टोंक
दीपक	B.Sc.	-	28.8.92	5'4''	दौराया	माचीवाल	तांगड़ा	कुदाल	9001825959	देवली
पारसतिनू	B.E. (Civi)	Business.	8.2.96	5'9''	खोवाल	उज्जीवाल	निरानिया	सारड़ीवाल	9850199534	नासिक
जितेन्द्र	-	Technician Ist Grade	13.8.02	6'0''	पिपलोदा	सिरस्वा	काम्या	घोड़ेला	9413191190	सीकर
संदीप	M.Sc. B.Ed.	Preparing Ist grade	7.2.98	5'10''	किरोड़ीवाल	कारगवाल	जलान्दरा	सिरस्वा	9414678389	-
ईशान्त	B.Tech. (CS)	MNC	10.3.2001	5'9'	सारड़ीवाल	भोड़ीवाल	दम्बीवाल	घासोलिया	9829252523	जयपुर
आशीष	B.Tech., (Civil)	Senior proj. Manager	13.11.92	-	रेनीवाल	घोड़ेला	राहोरिया	जलान्दरा	9588259179	जयपुर
अशोक	B.Sc. (Nursing)	--	15.8.2002	5'8''	मारवाल	धुवारिया	आईथान	कुदाल	8505051694	जयपुर
दीपक	Diploma (Mach.)	Wipro Jaipur	13.12.2003	5'9''	खोवाल	सिरस्वा	मारवाल	जेठीवाल	9982313334	श्रीमाधोपुर
नवीनराज	(तलाकशुदा) B.Com.	Data operator	11.7.92	5'9''	चोरासिया	देवतवाल	जूनवाल	राहोरिया	8769349125	जयपुर
निखिलराज	M.A.	Pvt. Job	19.10.93	5'8''	चोरासिया	देवतवाल	जूनवाल	राहोरिया	8769349125	जयपुर
कनिष्क	B.Tech (CS)	Pvt. Ltd.	15.12.98	5'9''	जलान्दरा	लोरवाड़िया	मारोठिया	मारवाल	9414434480	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
पूजा	P.G., B.Ed.	-	5.8.99	5'3''	घोड़ेला	नोकवाल	दम्बीवाल	तुन्दवाल	6367423574	कुचामन
ज्योति	(तलाकशुदा)MBA	MNC Company	12.7.95	5'3''	मारवाल	जलांधरा	कुद्दीवाल	किरोड़ीवाल	9829059853	जयपुर
सिमरन	BSTC. B.Ed. Govt	Assitant Teacher-1	10.10.97	5'5''	राहोरिया	घोड़ेला	सिरस्वा	माचीवाल	7568866326	भीलवाड़ा
तान्या	P.G. Graphic	Graphic Designer	25.2.2000	-	मारवाल	मारोठिया	धनारिया	कुदाल	9829540110	अजमेर
गरिमा(मांगलिक)	M.Sc.	--	31.3.2000	5'2''	दम्बीवाल	मारोठिया	अनावड़िया	मरेठिया	9214517772	ब्यावर
कोनिका	B.Com., MBA	JNU University	22.7.98	5'3''	बासनीवाल	पारमवाल	घटेलवाल	माचीवाल	9828431164	अजमेर
प्रियंका	BCA	-	15.8.90	5'0''	सिरस्वा	बारावाल	आसीवाल	डेडवाल	8764237800	कुचामन
कोमल	B.A. ITI	Govt. Service	18.1.93	5'3''	अनावडिया	भैरूदिया	मारवाल	माचीवाल	8005638963	अजमेर
शोभना	B.Sc. B.Ed.	Pvt. Teacher	24.1.96	5'4''	मरेठिया	मारवाल	देवतवाल	मारोठिया	9829070525	अजमेर
अक्षीता	B.Tech. (CSE)	Assi. Manger Indian Bank	20.10.97	5'1''	मारोठिया	भौरोदिया	मारवाल	महावर	9250422222	अजमेर
तनुश्री	B.Com. PG	Job in Pvt.Ltd.	28.7.2001	5'4''	नीमीवाल	सेगर	किरोड़ीवाल	नेनाचा	9314608510	जयपुर
कीर्ती	B.A,B,Ed.	Preparation	28.10.2000	5'7''	नागा	देवतवाल	चन्देरिया	किरोड़ीवाल	9414421563	अजमेर
सृष्टी	BBA	Assi, Manager ICICI	15.8.98	5'3''	कुदाल	मालिया	बारावाल	माचीवाल	9351855642	अजमेर
मनीषा	M, Com.(ABST)	--	6.6.81	5'3''	बबेरवाल	माचीवाल	देतवाल	सरिस्वा	9828390772	जयपुर
आशा	M.A. (Sociology)	--	10.1.93	5'5''	गमेरिया	अनावडिया	टाँक	जालवाल	9251932115	जोधपुर
निकिता	M.A. (Emg.)	Pvt. Teacher	10.12.96	5'7''	किरोड़ीवाल	भैरूदिया	मारोठिया	सिरस्वा	9829215918	अजमेर
पूजा	MBA	Pvt. Jb	12.7.91	5'1''	अडानिया	कुदाल	रेनीवाल	मारोठिया	9829072157	अजमेर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mailÑkumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/69 तक के पांच वर्षीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

छात्रावास निर्माण पूरा होने पर रामलाल छापोला को चरण पादुकाएं धारण करवाई

भीलवाड़ा कुमावत समाज के अध्यक्ष श्री रामलाल द्वारा यह प्रण लिया गया था कि ''जब तक मेरे समाज का छात्रावास नहीं बनेगा तब तक मैं चरण पादुकाएं नहीं पहनूँगा।''

शिक्षा और समाज के बच्चों के भविष्य के लिए इतने समय तक नंगे पांव रहने का कठिन प्रण लेना साधारण बात नहीं है। जब छात्रावास का निर्माण पूरा हुआ तो उन्हें चरण पादुकाएं धारण करवाई गई। यह न केवल उनके संकल्प की जीत है, बल्कि पूरे कुमावत समाज की एकता और प्रगति का प्रतीक है।

दैनिक लोकमत के वरिष्ठ पत्रकार **डॉ.के एल कुमावत** चौमूं प्रेस क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। बधाई

इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट 2026 पृष्ठ 5 से आगे ...

उद्देश्य AI को 'मानव-केंद्रित' (Human-Centric) बनाना है, ताकि तकनीक केवल मुनाफे के लिए नहीं बल्कि आम आदमी के सशक्तिकरण के लिए हो।

• **Pax Silica (पैक्स सिलिका) घोषणापत्र:** समिट के सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रमों में से एक भारत और अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित 'पैक्स सिलिका' समझौता रहा। यह समझौता भारत को उन्नत AI चिप्स और सेमीकंडक्टर तकनीक तक सुरक्षित पहुंच प्रदान करेगा।

• **Open AI और टाटा की साझेदारी:** Open AI के CEO सैम ऑल्टमैन ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में 100 मेगावॉट की AI इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की घोषणा की है, जिसे बाद में 1 गीगावॉट तक बढ़ाया जाएगा।

'सप्त चक्र' और विषयगत स्तंभ

समिट की चर्चा सात प्रमुख क्षेत्रों या 'चक्रों' पर केंद्रित रही:

1. सुरक्षित और विश्वसनीय AI: डीपफेक और डेटा सुरक्षा पर वैश्विक नियम बनाना।

2. समावेशी विकास: भारतीय स्टार्टअप 'सरवम AI' ने 22 भारतीय भाषाओं में काम करने वाले मॉडल लॉन्च किए।

3. स्वास्थ्य और कृषि: 'Strategy for AI in Healthcare' (SAHI) जैसी पहलें शुरू की गईं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में ढ्ढ आधारित इलाज संभव हो सके।

4. अन्य चक्र: विज्ञान, लचीलापन, आर्थिक विकास और AI संसाधनों का लोकतंत्रीकरण।

समिट का मुख्य दर्शन: "AI for All"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में 'AI for All' (सभी के लिए एआई) का नारा दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत का लक्ष्य एआई का लोकतंत्रीकरण करना है, ताकि इसका लाभ केवल विकसित देशों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे। समिट के दौरान भारत ने खुद को 'ग्लोबल साउथ' के प्रवक्ता के रूप में स्थापित किया, जो तकनीक को समावेशी और किफायती बनाने की वकालत करता है।

इस समिट की सबसे बड़ी उपलब्धि 'नई दिल्ली फ्रंटियर AI कमिटमेंट्स' रही। इसके तहत दुनिया की शीर्ष 15 टेक कंपनियों ने एआई के नैतिक उपयोग और सुरक्षा मानकों को साझा करने पर सहमति जताई। भारत ने स्पष्ट किया कि वह AI के 'मुनाफा-केंद्रित' मॉडल के बजाय 'कल्याण-केंद्रित' मॉडल का समर्थन करता है।

• **Pax Silica (पैक्स सिलिका) समझौता:** भारत और अमेरिका के बीच एक ऐतिहासिक गठबंधन हुआ, जिसके तहत भारत को अत्याधुनिक H100 और B200 श्रेणी के एआई चिप्स तक सीधी पहुंच प्राप्त होगी। यह समझौता भारत को एआई कंप्यूटिंग पावर के मामले में दुनिया के शीर्ष तीन देशों में खड़ा कर देगा।

• **सॉवरेन एआई (Sovereign AI):** भारत सरकार ने 10,000 से अधिक जीपीयू (GPU) के साथ अपना खुद का 'एआई सुपरकंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर' विकसित करने के लिए 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की है।

• **भाषिणी 2.0:** भारत के बहुभाषी एआई मॉडल 'भाषिणी' का नया संस्करण लॉन्च किया गया, जो अब 22 आधिकारिक भाषाओं के साथ-साथ 100 से अधिक स्थानीय बोलियों को वास्तविक समय (Real-time) में अनुवाद करने में सक्षम है।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि ''इंडिया AI इम्पेक्ट समिट 2026'' को 5 लाख से अधिक लोगों ने दखा। पूर्णत सफल रही तथा भारत के सुझावों-ग्लोबल साऊथ तथा **AI** के कल्याणकारीउपयोग के लिए, की सभी सहभागियों ने प्रशंसा की। भारत **AI** हब के रूप में विकसित होगा।

रेनवाल किशनगढ़ में श्रमिक संवाद सम्मेलन

जयपुर शहर भाजपा ओबीसी अध्यक्ष चेतन कुमावत भी शरीक हुए

केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा जयपुर देहात दक्षिण द्वारा रेनवाल किशनगढ़ में श्रमिक संवाद सम्मेलन हुआ। जिसमें भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ महेंद्र कुमावत मुख्य अथिति थे। सम्मेलन को भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर एवं मुख्यवक्ता अटल खंडेलवाल ने संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिला अध्यक्ष चेतन कुमावत, शिवजीराम कुमावत सहित अनेक पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रमिक भाई-बहन उपस्थित रहे।

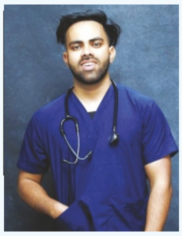

राजस्थान के सीकर जिले के रींगस के **अभिषेक कुमावत** ने प्रथम प्रयास में FMGE परीक्षा उत्तीर्ण कर डॉक्टर बने। सीकर के रींगस क्षेत्र की होनहार प्रतिभा अभिषेक कुमावत ने FMGE (फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन) में अपने प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त कर 'डॉक्टर' की उपाधि हासिल की है। विदेशी विश्वविद्यालय से चिकित्सा की पढ़ाई पूरी करने के बाद अभिषेक ने भारत में आयोजित होने वाली इस कठिन परीक्षा को पास कर रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर कुमावत इंडिया पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

स्व. 22.02.2013
13वीं पुण्यतिथि
22.02.2026
स्व. श्री गुलाबचन्द कारगवाल

स्व. 10.11.2008
18वीं पुण्यतिथि
10.11.2026
स्व. श्रीमती लादी देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : रूप सिंह - शारदा, उमेशचन्द - उर्मिला
पुत्री - दामाद : विमला - विजय मण्डावरा, उमा - सुशील आसीवाल
पौत्री-पौत्री दामाद : डॉ. देवांशी-इंजी. श्री पवन
पौत्र-पौत्री : गर्वित, मिष्ठी दोहित्र : देविक एवं कारगवाल परिवार

:: कार्यालय एवं निवास :: **रूपन आर्ट्स** जयपुर । दिल्ली । नेपाल
ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर-302015
फोन : 0141-2741727, मो. 9314502407,9314502964

स्व. 18.02.2013

13वीं पुण्यतिथि
18.02.2026
स्व. श्रीमती निर्मल अजमेरा
धर्मपत्नी स्व.चन्द्रप्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु :
गौरव अजमेरा - मीनू अजमेरा
पुत्री - दामाद : उर्वशी - राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश
पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9829488824

स्व. श्री नाथूलाल जी कुमावत
(स्वर्गवास 25.02.2005)
21वीं पुण्यतिथि 25.02.2026

स्व. श्रीमती केसर देवी कुमावत
(स्वर्गवास 26.08.2014)
22वीं पुण्यतिथि 26.08.2026

हम सब परिवारजन सजल नयनों में
सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत पुत्र-पुत्रवधु : रूपचन्द-पार्वती, राम प्रकाश-सुनिता, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला, पुत्री-पुत्री दामाद : श्रीमती प्रकाश-स्व. श्री नेकचन्द जी मण्डावरा, श्रीमती विद्या-स्व. श्री प्रहलाद जी मारोठिया, श्रीमती मंजू-कजोड़ जी देवतवाल, पौत्र-पौत्र वधु : महेश-शलिनी, गीतेश-हर्षा, नरेश-डॉ. हेमा, देवेश-योगिता, आशीष-प्रियंका एवं रोहन पाल सिंह, पौत्री-पौत्री दामाद : रेनू-दिलीप जी, सोमा-सुधीर जी, अरुणा (टीना) चन्द्रप्रकाश जी, सोनिया-योगेश जी, मोनिका-चन्द्रशेखर जी रुबिया-विजेन्द्र जी, श्रृष्टि-सुमित जी एवं वापिका सिंह एवं समस्त मारवाल (टींकीवाले) परिवार

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर

श्री नानूराम जी जलान्दरा
स्वर्गवास : 28.02.2013
13वीं पुण्यतिथि 28.2.26

श्रीमती रामप्यारी देवी
स्वर्गवास : 13.09.2018
8वीं पुण्यतिथि 13.9.26

हम सब परिवारजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं :

पुत्र-पुत्रवधु : ओमप्रकाश-लक्ष्मी, ताराचन्द भगवति, मोहनलाल-ऊषा, दामोदर लाल-संतोष, महेश-सुनीता, महेन्द्र-सुनीता, ईश्वर-कृष्णा, प्रभूनारायण-पुष्पा पुत्री-दामाद : रामरखी-सोहनलाल माचीवाल, सुशीला-स्व. श्री रमेशचन्द भौरोदिया, मीरा-कैलाशचन्द खाटूवाल पौत्र-पौत्रवधु : जितेन्द्र-हेमा, दीपक-चन्द्रकला, राजेश-विमलेश, प्रमोद-डिम्पल, पंकज-कविशा, संजय-भावना (दिव्या), मनोज, विनोद, राहुल-दिव्या (स्वीटी), हिमांशु, अनिरूद्ध, मृणाल, यश, तेजस पौत्री- दामाद : इन्दू-मुकेश धुंधारिया, नीलू-नरेन्द्र बारवाल, दीपिका-नरेश सिरोहिया, अंजली-भानू खोराणिया, काजल-कमल कण्डेरीवाल, टीशा प्रपौत्र/प्रपौत्री: हर्ष, निखिल, सारांश, पूर्विक, डुग्गू, रेनी, ग्रन्थ, कियान्श

निवास : 190 ए शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012
मोबाईल: 9828118789, 9509344684

फर्म : मै. महेशचन्द नानूराम, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
मै. हनी प्लास्टिक एण्ड गिफ्ट

स्व. श्रीग्यारसीलाल वर्मा (सिरस्वा)
के सुपौत्र एवं श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा) के सुपुत्र

चि. जयंत

संग

प्रो. श्री बालकृष्ण कुमावत (गुणगावन) की सुपौत्री एवं
श्री हेमेन्द्र कुमावत की पुत्री

सौ. का. भाग्य श्री

का शुभ विवाह दिनांक 05/02/2026 को सानंद सम्पन्न हुआ। इस शुभअवसर पर दोनो परिवारो को हार्दिक बधाई।

शुभेच्छु

वर पक्ष :– चि.जयंत

दादा– दादी :– स्व. श्री ग्यारसीलाल – स्व श्रीमति विद्या (सिरस्वा)
मम्मी – पापा :– श्री मनीष – श्रीमति मीरा
बड़े पापा – बड़ी मम्मी :– श्री राजकुमार – श्रीमति सरला
भुआजी – फुफाजी :– संध्या – स्व. श्री प्रभुदयाल मिस्त्री
उषा – स्व. श्री विरेन्द्रपाल सिंह
भाई – भाभी :– कृष्णा – काजल
भाई – बहन :– नेहा , नीरज
परिजन : श्री बाबूलालजी, श्री शशी कुमार जी (दादा जी), विजय, रोहित (चाचा जी) एवं समस्त सिरस्वा परिवार
पता :– फ्लेट नं. 509, श्री विनायक होम्स – 3, जैतराम नगर, खोजडो का बास, इस्कॉन रोड, मानसरोवर , जयपुर मो. 9929688556

वधु पक्ष – सौ. का. भाग्यश्री

दादा – दादी :– श्री बालकृष्ण कुमावत – स्व. श्रीमती अयोध्या देवी
मम्मी – पापा :– श्री हेमेन्द्र – श्रीमति प्रतिभा
चाचा – चाची :– श्री राहुल – श्रीमति कविता
भुआजी फुफाजी :– श्रीमती गीता – श्री रामचरण जी पटेल
श्रीमति पुष्पा – स्व श्री बाबुलाल जी
श्रीमति मंजू – श्री मोहनलालजी
श्रीमति अनिता – श्री रामदयाल जी
भाई – बहन :– रितू , नगेन्द्र
परिजन : श्री तोलारामजी, श्री बाबूलाल जी (दादाजी) मनीष (चाचा) एवं समस्त गुणगावन परिवार
पता :– 9, आजाद नगर, उज्जैन, म. प्र., मो. 9229599028

"कुमावत इंण्डिया" मासिक पत्रिका परिवार की और से हार्दिक शुभकामनाएं

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

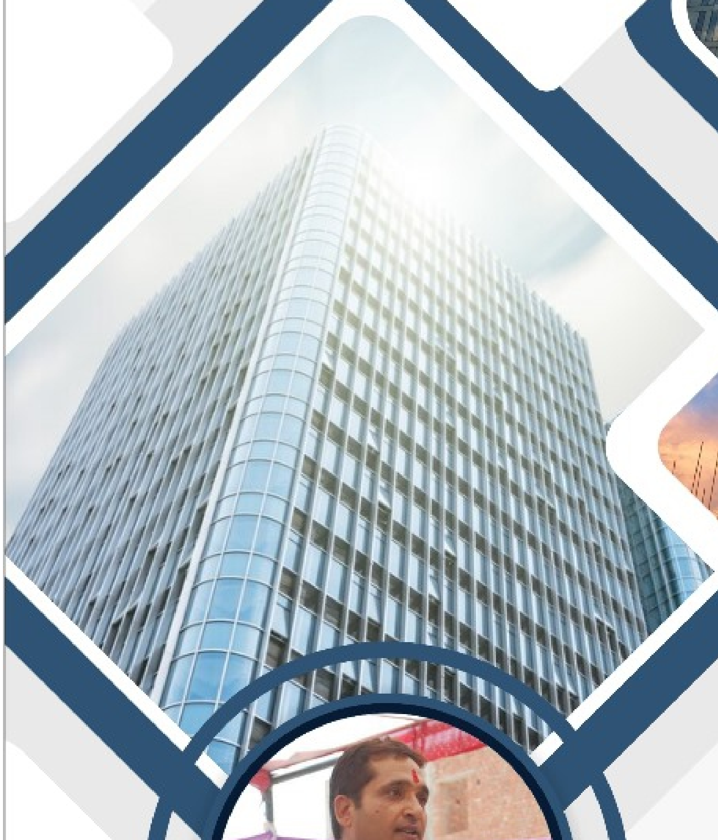

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in   E-Mail: info@spconst.co.in

Vijay Anand
International Academy

**Vill. AkedaChoud, Via-Jahota. Tah. Rampura Dabri,
Distt. Jaipur (Raj) - 303701 Call 9460852525**

Special Features

1. 100% Result
2. Centrally Air Cooled School
3. Vehicle Facility
4. Smart Classrooms
5. Highly Educated Teachers
6. International Level Syllabus
7. Worldwide Education Approaches at Home
8. Computer Coding and Programming
9. Separate Labs for Primary, Middle and Higher Classes

Nursery to X
(English Medium)

Your child deserve the Best Education

CCTV SURVEILLANCE 24X7

Director
Deendayal Kumawat

Co-ordinator
Monika Kumawat
(M.Com., B.Ed.)

Principal
Anita Chejara
(M.A., B.Ed.)

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018